mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-140 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
21 नवंबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

वनडे में रोहित की... @ पेज 7

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

पटना, एजेंसी। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में हुए भव्य समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, लोजपा(R) से 2 हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है।

शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका : नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को मात दी थी।

दिखा पीएम मोदी का अनोखा अंदाज

शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखा अंदाज देखने को मिला। सबसे पहले वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हाथ थामकर मंच के आगे की ओर बढ़े। इसके बाद पीएम मोदी ने पांच बार झुककर जनता का अभिवादन किया। मंच पर मौजूद शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों के पास जाकर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया और फिर जनता की ओर मुड़कर अपना गमछा लहराया। बदले में गांधी मैदान में मौजूद लोगों ने भी अपना अपना गमछा लहराकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नीतीश कुमार जी को हार्दिक बधाई। वे एक अनुभवी प्रशासक हैं और कई वर्षों से सुशासन का बेहतरीन रिकॉर्ड रखते हैं। उनके कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को मात दी थी।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी
2. विजय कुमार सिन्हा
3. विजय कुमार चौधरी
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव
5. श्रवण कुमार
6. मंगल पाण्डेय
7. डॉ० दिलीप जायसवाल
8. अशोक चौधरी
9. लेशी सिंह
10. मदन सहनी
11. नितिन नवीन
12. राम कृपाल यादव
13. संतोष कुमार सुमन
14. सुनील कुमार
15. मो० जमा खान
16. संजय सिंह 'टाइगर
17. अरुण शंकर प्रसाद
18. सुरेन्द्र मेहता
19. नारायण प्रसाद
20. रमा निषाद
21. लखेन्द्र कुमार रौशन
22. श्रेयसी सिंह
23. डॉ० प्रमोद कुमार
24. संजय कुमार
25. संजय कुमार सिंह
26. दीपक प्रकाश

प्रशांत किशोर का पश्चिम चंपारण में मौन उपवासःमनोज भारती बोले- जनता से जुड़ने और अपनी कमी को समझने का प्रयास

बेतिया, एजेंसी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित गांधी आश्रम में सुबह 11 बजे से एक दिन के मौन उपवास पर बैठे हुए है। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, रितेश पांडे समेत पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद है। बिहार के अलग-अलग हिस्सों से करीब 50 से अधिक लोगों पहुंचे हुए हैं। वहीं आस-पास के गांव को लोग भी प्रशांत किशोर को देखने और मिलने पहुंचे हैं। वहीं परिसर के बाहर टेंट लगा हुआ है। करीब 250 लोगों के रहने का व्यवस्था है। **NDA पर वोट खरीदने का लगाया आरोप** :जन सुराज नेता सह भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे ने कहा कि आदरणीय प्रशांत किशोर जी ने बिहार में ईमानदार प्रयास किया। लोगों ने देखा कि कोई सच में गरीबी, पलायन और अशिक्षा पर बात कर रहा है, तो कुछ लोगों ने लोकतंत्र में सबसे घृणित काम वोट खरीदने का रास्ता अपना लिया।

शिवकुमार बोले- हमेशा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नहीं रह सकता

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को संकेत दिए कि वे जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। उन्होंने बेंगलुरु में इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा- मैं इस पद पर हमेशा नहीं रह सकता।

शिवकुमार ने कहा- साढ़े पांच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएंगे। अब दूसरे नेताओं को भी अवसर मिलना चाहिए। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- मैं लीडरशिप में रहूंगा। चिंता मत करिए, मैं फ्रंटलाइन में रहूंगा। मैं रहूं या न रहूं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी कोशिश है कि अपने कार्यकाल में पार्टी के 100 ऑफिस बनवाऊं।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत

ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर 4 दिसंबर तक रोक बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे उस मामले में राहत जारी रखी है, जिसमें उन पर 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अदालत ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक 4 दिसंबर तक बढ़ा दी। दो जजों की पीठ, जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, ने यह फैसला लिया। इस मामले की सुनवाई टलने का कारण एक स्थगन पत्र बताया गया है।

राहुल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती :यह मामला राहुल गांधी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 29 मई वाले आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने राहुल गांधी की वह अर्जी खारिज कर दी थी जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की तरफ से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने दिया था ऐसा ही फैसला :अगस्त में हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और उत्तर प्रदेश सरकार व शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। उसी दौरान कोर्ट ने राहुल गांधी से यह भी पूछा था कि उन्होंने यह कैसे कहा कि 2000 वर्ग किमी भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है, क्या आप वहां थे? आपके पास कोई सबूत है? कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसे बयान नहीं देंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला-राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं,बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें

डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे

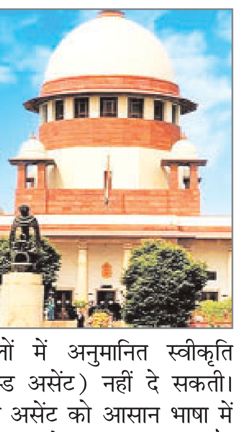

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं। यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- समयसीमा तय नहीं की जा सकती : सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। न्यायपालिका भी ऐसे मामलों में अनुमानित स्वीकृति (डीम्ड असेंट) नहीं दे सकती। डीम्ड असेंट को आसान भाषा में कहा जाए तो अगर राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास कोई बिल मंजूरी के लिए गया है, और वे समय पर जवाब नहीं देते, तो कानून यह मान लेता है कि मंजूरी दे दी गई है। यानी, बिना बोले भी हां मान ली जाती है। बेंच ने कहा- गवर्नर या राष्ट्रपति के लिए न्यायिक रूप से समय सीमा तय करना सही नहीं है। राज्यपाल की मंजूरी को कोर्ट नहीं बदल सकता। राज्यपाल विधेयक को कानून बनाने के बीच सिर्फ एक रबर स्टैंप नहीं हैं।

सीजेआई की अगुआई में 5 जजों की बेंच ने सुनवाई की :मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की जगह इस मामले में चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुआई वाली संविधान पीठ ने सुनवाई की। पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंद्रचूड़कर शामिल थे। सुनवाई 19 अगस्त से शुरू हुई थी। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। वहीं, विपक्ष शासित राज्य तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने केंद्र का विरोध किया।

गवर्नर के पास 3 संवैधानिक विकल्प हैं

- मंजूरी, असेंबली को दोबारा विचार के लिए लौटाना और मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजना। गवर्नर 3 विकल्पों का इस्तेमाल करते समय अपनी समझ का इस्तेमाल करते हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल की शक्तियां उनके विवेक पर निर्भर हैं। किसी विधेयक पर फैसला लेते समय राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे नहीं हैं।
- कोर्ट मेरिट में नहीं जा सकता, लेकिन लंबे समय तक, बिना किसी वजह के, या अनिश्चित देरी होने पर, कोर्ट सीमित निर्देश जारी कर सकता है। राष्ट्रपति के साथ भी ऐसा ही है। न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह रोक है, लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई न करने की स्थिति में, संवैधानिक कोर्ट अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर सकता है।

भागवत बोले- मुस्लिम-ईसाई भारतीय संस्कृति अपनाएं तो वे भी हिंदू

हिंदुत्व सीमाओं में नहीं बंधा ; आरएसएस प्रमुख हिंसा के बाद आज पहली बार मणिपुर जाएंगे

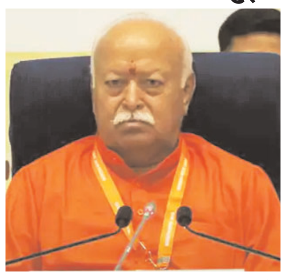

गुवाहाटी/इम्फाल, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि हिंदुत्व सीमाओं में बंधा नहीं, बल्कि समावेशी है। यदि मुस्लिम और ईसाई इस देश की पूजा करें, भारतीय संस्कृति का पालन करें और अपनी परंपराएं व रीति-रिवाज कायम रखते हुए राष्ट्र के प्रति आस्था रखें, तो वे भी हिंदू हैं।

भागवत ने गुवाहाटी में RSS के शताब्दी वर्ष के तहत बुद्धिजीवियों, लेखकों और उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पांच सामाजिक परिवर्तनों- सामाजिक सद्भाव, परिवार जागरण, नागरिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से बात की। संघ प्रमुख भागवत 20 नवंबर को मणिपुर पहुंचेंगे। मणिपुर में 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद यह उनका पहला दौरा है। भागवत तीन दिन राज्य में रहेंगे और नागरिकों, उद्यमियों और जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

उनका 20 नवंबर को इम्फाल के कोंजेग लाइकाई में उद्यमियों और विशिष्ट नागरिकों के साथ कार्यक्रम है, जबकि 21 नवंबर को वे मणिपुर हिल्स के जनजातीय नेताओं से मिलेंगे।

हिड़मा की लाश से लिपटकर रोई सोनी सोढ़ी

पत्नी राजे की लाल जोड़े में विदाई; पूवर्ती में अंतिम संस्कार

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर हुए मुठभेड़ में मारे गए मोस्ट वांटेड नक्सली माड़वी हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का पूवर्ती में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले घर पहुंचीं सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी हिड़मा के शव से लिपटकर रोई, शव पर काली वर्दी डाली। पत्नी राजे को लाल जोड़े में अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूवर्ती, जबगट्टा, बट्टुम, टेकलगुडेम और मीनट्टा गांवों के लोग पहुंचे। परिवार ने मांग की थी कि गांव में अंतिम संस्कार वे स्वयं करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 18 नवंबर की सुबह सुरक्षाबलों ने हिड़मा, उसकी पत्नी सहित 7 नक्सलियों को ढेर किया था। हिड़मा ने 35 वर्षों में 300 से अधिक लोगों की हत्या की थी, जिनमें अधिकांश जवान शामिल थे। वह 76 CRPF जवानों की हत्या का मास्टरमाइंड था और उसने राहत शिविर में 31 लोगों को जिंदा जलाकर मारने की वारदात को भी अंजाम दिया था।

ईडी का दावा- विदेश भागने वाला था अल-फलाह का चेयरमैन

परिवार पहले से खाड़ी देशों में बसा; यूनिवर्सिटी से 10 लोग गायब

नई दिल्ली/फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी डॉक्टरों की 'पनाहगार' रही फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) का शिकंजा कस गया है। ईडी ने बुधवार को यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद को साकेत कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद जवाद को 13 दिन की रिमांड पर ईडी को सौंप दिया। ईडी के मुताबिक सिद्दीकी का परिवार खाड़ी देशों में बसा है। वह भी विदेश भागने की तैयारी में था। अगर उसे गिरफ्तार नहीं किया जाता तो वो विदेश भागकर जांच से बच सकता था। सबूत मिटा सकता था। ईडी ने कोर्ट को बताया कि 1990 के दशक के बाद अल-फलाह ग्रुप ने तेजी से तरक्की की और एक बड़ा शैक्षणिक संस्थान बन गया।

म.प्र.के 6 जिलों में शीतलहर शाजापुर सबसे ठंडा

हिमाचल के 29 शहरों में तापमान 10डिग्री से नीचे ; राजस्थान के माउंट आबू में पारा शून्य

भोपाल/जयपुर/शिमला,एजेंसी। पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश में बीते एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछले 24 घंटे में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत 15 शहरों का तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। शाजापुर 6.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा।

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को भोपाल, इंदौर समेत 6 जिलों में कोल्ड वेव यानी शीतलहर चलेगी। अगले 2 दिन राज्य में अलर्ट है। वहीं राजस्थान के माउंट आबू में पारा जीरो के करीब पहुंच गया है। राज्य के दूसरे इलाकों में भी तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री कम है।

पूर्वोत्तर में सफल हुआ ड्रोन डॉक्टर, देश भर में होगा विस्तार; स्वास्थ्य मंत्रालय ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं किसी से छिपी नहीं हैं। ऐसे में ड्रोन क्रांति इन क्षेत्रों के लिए जीवनरक्षक साबित होगी। यह बात उत्तर-पूर्व के राज्यों में सफल परीक्षण से साबित भी हो चुकी है। मेघालय और उत्तराखंड में ड्रोन तकनीक से मुख्य अस्पताल से पीएचसी और सीएचसी में दवाएं पहुंचाई जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इसका मॉडल भी प्रदर्शित किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में इस तकनीक को प्रभावी माना गया है। अब देशभर में ड्रोन आधारित मेडिकल डिलीवरी को विस्तार देने की तैयारी है। ड्रोन के जरिये कुछ ही मिनटों में मेडिकल सप्लाई पहुंचाकर यह प्रणाली स्वास्थ्य ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी।एम्स जैसे संस्थान भी ड्रोन तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं। दवाओं और सैंपल्स को ड्रोन के जरिये लाने-ले जाने का काम किया जा रहा है। स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत की सोच के साथ भविष्य में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और सड़क संपर्क से वंचित गांवों में इस तकनीक का उपयोग होगा।

उत्तर-पूर्व भारत से लागत-प्रभावशीलता विश्लेषण नामक अध्ययन में साबित हुआ है कि ड्रोन न सिर्फ दुर्गम इलाकों में दवाइयां, वैक्सीन, ब्लड सैंपल और आपातकालीन चिकित्सा उपकरण तेजी से पहुंचा रहे हैं, बल्कि यह तरीका सड़क मार्ग से कई गुना सस्ता और जीवनरक्षक है। प्राकृतिक आपदा, सड़क अवरुद्ध होने या दूरदराज इलाकों में गंभीर मरीज तक ड्रोन से मदद पहुंच सकती है। मिनटों में पहुंच रहा दिल का जीवनरक्षक उपकरण ऑटोमेटिक एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) जैसे अति-महत्वपूर्ण उपकरण भी ड्रोन से मौके पर भेजे जा रहे हैं। दिल का दौरा पड़ने पर पहले 6 से 8 मिनट जो कि गोल्ड ऑवर होते हैं उसमें एईडी का इस्तेमाल जीवन बचा सकता है। दूरदराज के गांवों में पहले यह असंभव था। अब ड्रोन से इसे मिनटों में पहुंचाया जा रहा है। एंटी-स्नेक वेनम (सांप काटने की दवा), टीबी व अन्य बीमारियों के लैब सैंपल, ब्लड यूनिट, इंसुलिन, कीमोथेरपी की दवाएं, कोल्ड-चेन वैक्सीन जैसी संवेदनशील सामग्रियां भी सुरक्षित पहुंचाई जा रही हैं। पांच किलोग्राम से ज्यादा वजन ले जाने में सक्षम वर्तमान में जिन ड्रोन से मेडिकल सामग्री की सप्लाई की जा रही, वह पांच किलोग्राम से ज्यादा वजन ले जाने में सक्षम है। मुख्य अस्पताल में बने कंट्रोल रूम से ड्रोन को निर्देश दिए जाते हैं। गंतव्य पर पहुंचते ही वहां लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर ड्रोन खुद-ब-खुद सुरक्षित उतरता है और सामान छोड़कर वापस आता है। तकनीक को व्यापक रूप से बढ़ाने की सिफारिश हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी डिवीजन की ओर से तकनीक को लेकर सरकार से कई सिफारिश भी की हैं। इसके तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक को व्यापक रूप से अपनाया जाए,मौजूदा सप्लाई चेन रूट को और मजबूत किया जाए, जीवन रक्षा के लिए यह तकनीक अत्यंत उपयोगी है, आपातकालीन स्थितियों में इसका और विस्तार किया जाए व विभिन्न उपयोग के मामलों को मजबूत करने के लिए और शोध किए जाएं।

भारत का एक और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर गिरफ्तार, अमेरिका में पकड़ा गया नोनी राणा

नई दिल्ली, एजेंसी। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर नोनी राणा को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, अमेरिकी एजेंसियों ने उसे नियाग्रा बॉर्डर इलाके से उस समय हिरासत में लिया, जब वह अमेरिका से कनाडा भागने की कोशिश कर रहा था। बॉर्डर एरिया की सुरक्षा जांच के दौरान ही उसे दबोच लिया गया। नोनी राणा मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला है और कुख्यात गैंगस्टर काला राणा का छोटा भाई बताया जा रहा है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां काफी समय से उसकी तलाश में थीं। उसकी गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया और प्रत्यर्पण को लेकर एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया: इससे पहले गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और कई आपराधिक मामलों में आरोपी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया। भारत आते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अनमोल गिरफ्तार कर लिया। एनआईए ने उसे विशेष अदालत में पेश किया, जहां से 11 दिन की हिरासत में भेज दिया गया। एनआईए

के अनुसार अमेरिका में बैठकर अनमोल देश में आतंकी सिंडिकेड चला रहा था। पंजाब पुलिस ने अनमोल को ट्रेस करने में अहम भूमिका निभाई है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने वर्ष 2022 में खुलासा किया था कि अनमोल फर्जी पासपोर्ट के साथ देश से फरार हो गया है। वह केन्या व अन्य देशों से होते हुए अमेरिका पहुंचा था। अनमोल पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और पिछले साल अप्रैल में अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी में भी वांछित था।

फर्जी रॉ अफसर ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार, जज भी न पहचान पाई असली चेहरा और कर ली शादी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो खुद को रॉ अफसर बताकर लोगों को शिकार बनाता था। उसने एक महिला जज को अपने जाल में फंसाकर उससे शादी भी कर ली थी। रॉ अफसर की फर्जी आईडी के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से अलग-अलग नाम से कई मतदाता पहचान पत्र, साथ ही 17 अलग-अलग नामों के एग्रीमेंट, दो आधार कार्ड, 3 वोटर आईडी कार्ड, दो फर्जी आईडी, 20 विभिन्न बैंक की चेकबुक, 8 डेबिट व क्रेडिट कार्ड, 5 पैन कार्ड बरामद किए गए। आरोपी सुनीत कुमार निवासी अजोई थाना भगवानपुर वैशाली बिहार का रहने वाला है।

राजधानी में नहीं थम रहीं बम की धमकी, दिल्ली के कई स्कूलों को आया ईमेल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति स्कूल समेत आज कई स्कूलों बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्कूल परिसर, भवनों, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

बताया जा रहा है कि संस्कृति स्कूल में काफी देर तक चली जांच और सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। ईमेल की तकनीकी जांच कर भेजने वाले की पहचान की कोशिश की जा रही है। वहीं अन्य स्कूलों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, घटना के समय स्कूल परिसर में बच्चे और स्टाफ मौजूद थे। सभी को तुरंत बाहर निकाला गया। स्कूल परिसर को खाली करा दिया गया। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। जिसके बाद जांच शुरू की गई। पुलिसकर्मी स्कूल और आसपास के क्षेत्र में तैनात हैं।

दिल्ली के चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी: इससे पहले 18 नवंबर मंगलवार को दिल्ली के चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम की धमकी मिली। के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। धमकी के बाद साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी स्थित अदालतों को तुरंत खाली करा लिया गया था और गहन तलाशी अभियान चलाया गया था। लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला।

डीटीसी की लंबे रूटों पर वापसी, ई-बसें नहीं चलेंगी दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार राजधानी के इंटरस्टेट बस नेटवर्क को नया रूप देने की तैयारी में है। लगभग 14 साल बाद दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) फिर लंबी दूरी के रूटों पर बसें चलाने जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जिन ई-बसों के दम पर इंटरस्टेट कनेक्टिविटी बढ़ाने का दावा किया गया था, वही अब चुनौती है। लंबी दूरी पर चार्जिंग ढांचे की कमी के कारण ई-बसें लॉन्ग रूट पर नहीं दौड़ पाएंगी। इसकी जगह सरकार बीएस-6 डीजल बसों को वेट-लीज मॉडल पर लेने की तैयारी में है। यानी बसें निजी ऑपरेटर चलाएंगे। डीटीसी ने दिल्लीङ्कबागपत (बडौत) और दिल्लीङ्कसोनीपत के लिए ई-बस सेवा शुरू कर दी है। अगले महीने दिल्लीङ्कधारूहेड़ा तीसरा ई-रूट बन जाएगा। सरकार की शुरुआती योजना थी कि सभी इंटरस्टेट रूटों पर इलेक्ट्रिक बसें भेजी जाएं, लेकिन दूसरे राज्यों में चार्जिंग स्टेशन की कमी, बैटरी बैकअप आदि नहीं होने से ई-बसों को लंबी दूरी के लिए नहीं भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि अयोध्या, ऋषिकेश, हरिद्वार, चंडीगढ़, अमृतसर, जम्मू आदि पर अब ई-बसों की जगह डीजल बीएस-6 बसें चलेंगी।

निजी ऑपरेटर होगा नियुक्त, किराया तय करेगा डीटीसी: डीटीसी लंबी दूरी वाले मार्गों पर डीजल बस संचालन के लिए एक कंसेशनायर (निजी ऑपरेटर) नियुक्त करेगा। इसके तहत बसें निजी ऑपरेटर उपलब्ध कराएगा और संचालन की जिम्मेदारी भी उसकी होगी। बस का किराया मॉडल डीटीसी तय करेगा। अधिकारियों का दावा है कि इससे सेवा जल्दी शुरू की जा सकेगी और यात्रियों को मौजूदा निजी बसों से सस्ती यात्रा मिल सकेगी।

डीटीसी ने जिन 17 गंतव्यों को चिन्हित किया है उसमें ऋषिकेश, हरिद्वार, देहरादून, अयोध्या, लखनऊ, मुरादाबाद, पानीपत, अमृतसर, चंडीगढ़ और जम्मू समेत अन्य शहर शामिल है। 2010 में डीटीसी ने अपनी बसों को सीएनजी में बदल दिया था। चूंकि अन्य राज्यों में सीएनजी की उपलब्धता सीमित थी, इसलिए इंटरस्टेट सेवाएं बंद करनी पड़ी। अब 14 साल बाद फिर से बड़े रूटों पर वापसी की तैयारी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद राफेल के खिलाफ चीन ने चलाया दुष्प्रचार अभियान, अमेरिकी रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीर के पहलगाम में इस साल मई में आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य झड़प हुई। इस दौरान चीन ने अपने जे-35 लड़ाकू विमानों को बेचने के लिए राफेल विमानों की बिक्री रुकने की भ्रामक जानकारी फैलाई थी। इसके लिए उसने अभियान चलाया। इसके तहत उसने सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर एआई और वीडियो गेम की तस्वीरें फैलाई, जिनमें दिखाया गया कि चीन के हथियारोंसे फ्रांस के विमानों को नुकसान पहुंचा। यह खुलासा अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में हुआ है। दरअसल, अमेरिकी कांग्रेस ने हाल ही में अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की सालाना रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट 745 पन्नों की है और ऑनलाइन उपलब्ध है। रिपोर्ट में साइबर, आर्थिक, सूचना, महंगाई, कानून और अंतरिक्ष जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में चीन की गतिविधियों की जानकारी दी गई है। इसमें 97वें पन्ने में राफेल के

खिलाफ चीन के दुष्प्रचार अभियान का खुलासा किया गया है।

अमेरिकी कांग्रेस की वार्षिक रिपोर्ट में क्या कहा गया: रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने मई 2025 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में पाकिस्तान को हथियार और खुफिया जानकारी दी। भारतीय सेना का कहना है कि चीन ने पाकिस्तानी सेना को भारत की सैन्य स्थिति की लाइव जानकारी दी और इस संघर्ष का इस्तेमाल अपने हथियारों की क्षमता को जांचने के लिए किया। पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया और चीन ने अपनी भूमिका की पुष्टि या खंडन नहीं किया। इसमें बताया गया है कि चीन ने 2025 में पाकिस्तान के साथ अपनी सैन्य सहयोग बढ़ाया, जिससे भारत के साथ सुरक्षा तनाव और बढ़ गया। चीन ने इस संघर्ष का फायदा उठाकर अपने हथियारों की क्षमता को दुनिया को दिखाने और हथियारों की बिक्री बढ़ाने की कोशिश की। रिपोर्ट में कहा गया कि यह पहला मौका था, जब चीन की एचक्यू-9 एयर डिफेंस, पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल और जे-10 लड़ाकू विमान जैसी आधुनिक हथियार प्रणालियां वास्तविक युद्ध में इस्तेमाल हुए। जून 2025 में चीन ने पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के 40 जे-35 लड़ाकू विमान, केजे-500 विमान और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचने की पेशकश की। संघर्ष के बाद चीन के दूतावासों ने अपने हथियारों की कामयाबी की प्रशंसा की और राफेल विमानों की बिक्री रोकने के लिए भ्रामक जानकारी का प्रचार किया। फ्रांस की खुफिया जानकारी के अनुसार, चीन ने सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर राफेल विमानों के कथित मलबे की तस्वीरें फैलाई। इसके कारण इंडोनेशिया ने राफेल विमानों की खरीद रोक दी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर चीन और दलाई लामा समर्थक समूहों के बीच विवाद हो सकता है। इसमें अमेरिका भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14वें दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी और वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि 15वें दलाई लामा को चुनने का अधिकार केवल दलाई लामा ट्रस्ट के पास है। चीन ने भारत सरकार से14वें दलाई लामा को समर्थन न देने का अनुरोध किया।

नेपाल में जेन जी समूह ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा

काठमांडू, एजेंसी।नेपाल में छह से अधिक जेन जी समूह ने गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह की चेतावनी दी है। इन जेन जी समूहों ने आने वाले दिनों में अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी दी है। जेन जी समूहों ने गृहमंत्री अर्याल पर जेन जी की मांग के मुताबिक एक भी काम नहीं करने और सितंबर में हुए विद्रोह में सहभागी युवाओं को गिरफ्तार कर माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया है। यह समूह पिछले कई दिनों से गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

बारा जिले में जेन जी के शांतिपूर्ण कार्यक्रम के दौरान हुई हिंसा के बाद आंदोलन के अगुवा तथा 'हामी नेपाल' के संस्थापक सुदन गुरुड ने 'मुझे भी गिरफ्तार करो' अभियान शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि बारा जिला संयोजक सम्राट उपाध्याय के नेतृत्व में हो रहे कार्यक्रम में एमाले समर्थित समूह ने घुसकर जेन जी युवाओं का अपमान करते हुए मारपीट की। सुदन ने गृहमंत्री पर मारपीट की शुरुआत करने वाले एमाले

अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी

कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाने के बजाए शांतिपूर्ण तरीके से अपना कार्यक्रम कर रहे जेन जी युवाओं को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

सोशल मीडिया पर बुधवार को लिखे एक स्टेटस में गुरुड ने गृहमंत्री की देरी और 'असमर्थता' को इस घटना का मुख्य कारण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि गृहमंत्री ने आंदोलन, सड़कों पर बहा खून और युवाओं के बलिदान को भुला दिया है। एक अन्य जेन जी नेता रक्षा बम ने कहा है कि यदि गृहमंत्री इस्तीफा नहीं देते, भ्रष्टाचारियों और हत्यारों पर कार्रवाई नहीं कर सकते, देश के परिवर्तन के लिए लड़ने वाले योद्धाओं पर हमला होने पर भी कानों में तेल डालकर और हाथ बांधकर बैठे रहते हैं, और उल्टे देशप्रेमी भाइयों-बहनों को गिरफ्तार करते हैं, तो मैं 'मुझे भी गिरफ्तार करो' राष्ट्रीय शुरू करने की चुनौती देती हूं। एक और जेन जी नेता मिराज ढुंगाना ने कहा कि यदि हत्यारे हमें खुली चुनौती देते रहेंगे और सरकार चुप रहेगी, तो यह ज्वालामुखी का विस्फोट और बड़ा होगा।यह सुशीला कार्की सरकार को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने देशव्यापी अरेस्ट मी कैंपेन चलाने का आह्वान किया है।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री को आशंका भारत करेगा हमला, इस्लामाबाद हाई अलर्ट पर!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेताते हुए कहा है कि भारत के साथ पूरी तरह से जंग की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़ते तनाव और पूर्वी-पश्चिमी दोनों बॉर्डर पर बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच इस्लामाबाद को पूरी तरह अलर्ट रहने की ज़रूरत है। एक इंटरव्यू में, आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान कोई रिस्क नहीं ले रहा है क्योंकि नई दिल्ली के साथ रिश्ते लगातार बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हम न तो भारत को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं और न ही किसी भी हालत में उस पर भरोसा कर रहे हैं। मेरे एनालिसिस के आधार पर, मैं पूरी तरह से जंग या भारत की किसी भी दुश्मनी भरी स्ट्रैटेजी, जिसमें बॉर्डर पर घुसपैठ या हमले (शायद अफगान) शामिल हैं, से इनकार नहीं कर सकता। हमें पूरी तरह अलर्ट रहना चाहिए। हालांकि भारत का विदेश मंत्रालय पहले ही इन आरोपों को खारिज कर चुका है। इंटरव्यू में, पाकिस्तानी मिनिस्टर ने कहा, हम किसी भी हालत में न तो भारत को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं और न ही उस पर भरोसा कर रहे हैं। मेरे एनालिसिस के आधार पर, मैं भारत की ओर से पूरी तरह से जंग या किसी भी दुश्मनी वाली रणनीति, जिसमें सीमा पर घुसपैठ या हमले (शायद अफ़गान) शामिल हैं, से इनकार नहीं कर सकता। हमें पूरी तरह से अलर्ट रहना चाहिए। ख्वाजा आसिफ की यह बात आर्मी चीफ़ जनरल उपेंद्र द्विवेदी के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ़ 88 घंटे का ट्रेलर था। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान हमें कोई मौका देता है, तो भारत करारा जवाब देने और यह दिखाने के लिए तैयार है कि एक ज़िम्मेदार देश को अपने करना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर मचा हड़कंप

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर हड़कंप मच गया है। दावा किया गया है कि इस सौदे में जासूसी का साया है। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अकुस मंच के तहत आठ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण को लेकर समझौता किया है। ऑस्ट्रेलिया का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के दो स्तंभ हैं। पहले स्तंभ के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका

से 3-5 वर्जीनिया-क्लास की एसएसएन पनडुब्बी खरीदना है और स्तंभ-2 के तहत ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम को संयुक्त रूप से एक नई एसएसएन-अकुस पनडुब्बी को डेवलप करना है। इसमें अमेरिका अपनी टेक्नोलॉजी देगा और इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2040 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की नौसेना को पनडुब्बियों की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। हालांकि करीब 4 साल पहले ही पनडुब्बियों के डेवलपमेंट के लिए तीनों देशों के बीच 368 अरब डॉलर का समझौता हुआ था, लेकिन अभी तक इसमें कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने इस साल जून में इस कॉन्ट्रैक्ट की औपचारिक समीक्षा शुरू करने के भी आदेश दिए थे, लेकिन बाद में ट्रंप ने अक्टूबर महीने में समझौते को हरी झंडी दे दी और ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया कि उन्हें परमाणु पनडुब्बी मिल जाएगी।

ट्रंप से हरी झंडी मिलने के कुछ ही हफ्तों बाद ऑस्ट्रेलिया में इस सौदे को लेकर नई चिंता का जिक्र पनडुब्बियों को लेकर जासूसी की बात की जा रही है।

अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 में

शासकीय महाविद्यालय मझौली का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडिटरर, सीधी (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार तीन दिवसीय अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 का सफल आयोजन किया गया। इस युवा उत्सव में रीवा संभाग के 6 जिलों से आए प्रतिभागियों ने संगीतिक, साहित्यिक एवं रूपांकन की 22 विभिन्न विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया।

पांकन विधा की प्रतियोगिताओं कृ पोस्टर निर्माण एवं क्ले मॉडलिंग कृ पर शासकीय महाविद्यालय मझौली के प्रतिभागियों का शानदार कब्जा रहा। महाविद्यालय की छात्राएँ वैष्णवी मिश्रा एवं राजकुमारी प्रजापति अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुईं।

समापन समारोह में कुलगुरु प्रोफेसर राजेंद्र कुमार कुढारिया, पूर्व कुलपति प्रोफेसर एन. पी. पाठक, कुलसचिव प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह परिहार, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा संभाग प्रो. आर. पी. सिंह एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर अतुल पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने राज्य स्तर के लिए चयनित दोनों प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि युवा उत्सव, प्रतिभाओं को अपनी कला व कौशल को निखारने का साझा मंच प्रदान करता है। युवा ही भारत की असली ताकत हैं और उन्हीं के प्रयासों से विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी।

महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी प्रो. बी. एल. सिंह अयाम, युवा उत्सव प्रभारी डॉ. संदीप कुमार तथा महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों ने चयनित प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस सीधी जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में बना चौंपियन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिला स्तरीय खो-खो (पुरुष वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन मायाराम महाविद्यालय मड़ौली, जिला सिंगरौली में किया गया। प्रतियोगिता में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाविद्यालय बैढन, शासकीय महाविद्यालय सिहावल एवं मायाराम महाविद्यालय की टीमों ने सहभागिता दर्ज की।

संजय गांधी महाविद्यालय सीधी की टीम का पहला मुकाबला मायाराम महाविद्यालय सिंगरौली से हुआ, जिसमें संजय गांधी महाविद्यालय उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता रहा। फाइनल मुकाबले में संजय गांधी महाविद्यालय सीधी ने पीजी महाविद्यालय बैढन को पराजित कर प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमाया और जिला स्तरीय चौंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। महाविद्यालय की टीम से 9 खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जिसका आयोजन शासकीय महाविद्यालय रामपुर नैकिन में होगा। विजेता खिलाड़ियों एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. रविंद्र नाथ सिंह को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने हार्दिक बधाई दी। साथ ही भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ी इसी तरह महाविद्यालय का नाम खेल के क्षेत्र में गौरवान्वित करते रहें और अधिक से अधिक खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित हों।

विधानसभा के दो बीएलओ को एसआईआर कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने पर सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विधानसभा क्षेत्र 78 - सिहावल के मतदान केंद्र 47 डमक एवं 156 धुतपुरा कोठार के बीएलओ - क्रमशः विनोद तिवारी एवं धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय को एसआईआर कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी. पी. पाण्डेय तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 78 - सिहावल प्रिया पाठक द्वारा दोनों बीएलओ के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की गई।

गायत्री बालिका गृह की जांच में मिली खामियां, कलेक्टर ने 9 बालिकाओं की काउंसलिंग शुरू कराई; अधीक्षिका को नोटिस

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। गायत्री बालिका गृह से जुड़े मामले ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कई दिनों से चल रही जांच के बाद कलेक्टर गौरव बैनल ने तीन सदस्यीय महिला अधिकारियों की जांच टीम की प्राथमिक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में बालिका गृह में कई महत्वपूर्ण कमियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। कलेक्टर के निर्देश पर बालिका गृह में रह रही 9 बालिकाओं के माता-पिता को बुलाया गया है। इसका उद्देश्य उनकी स्वतंत्र काउंसलिंग कराना और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। यदि बालिकाएं अपने घर जाना चाहेंगी, तो उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बालिका गृह में गंभीर अव्यवस्थाएं मिली हैं। इसके चलते गृह अधीक्षिका को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अधीक्षिका का जवाब संतोषजनक नहीं होता और सभी कमियां दूर नहीं की जातीं, तब तक बालिका गृह के संचालन की अनुमति पर विचार नहीं किया जाएगा।

इस पूरे प्रकरण की शुरुआत विशेष न्यायाधीश कंचन गुप्ता के अमृत सेवा संस्थान बालिका गृह के अचानक निरीक्षण से हुई थी। उनके निरीक्षण के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। हालांकि, बालिकाओं द्वारा न्यायाधीश को दिए गए बयानों का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन वे इतने गंभीर थे कि न्यायाधीश ने महिला बाल विकास अधिकारी को तत्काल 9 बालिकाओं को वहां से हटाने का निर्देश दिया।

न्यायाधीश ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि बालिकाएं किसी भी बात का खुलासा करने से डर रही थीं। उन्होंने बताया कि उन्हें डर था कि बोलने पर अधीक्षिका और उसकी बेटी उनके साथ मारपीट करेंगी। आश्वासन मिलने के बाद बालिकाओं ने मजिस्ट्रेट के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं, जिन्हें अत्यंत गंभीर बताया जा रहा है। अब जिले की निगाहें अंतिम जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि यह मामला केवल लापरवाही का है या इसके पीछे कोई और गंभीर प्रणालीगत खामियां हैं। प्रशासन के सख्त रुख से संकेत मिल रहे हैं कि इस मामले में आगे बड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

ग्राम चोरगढ़ी में कच्चे मकान में लगी आग, एक्टिवा स्कूटर सहित लाखों का सामान जलकर राख

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चोरगढ़ी में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे प्रदीप कुशवाहा के कच्चे मकान में आग लग गई। इस घटना में एक एक्टिवा स्कूटर सहित लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में मकान के अंदर रखा लगभग सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। इसमें एक एक्टिवा स्कूटर, मोटर, स्टार्टिंग स्टार्टर और भारी मात्रा में प्लास्टिक का सामान शामिल था। गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचा जा सका। ग्रामीणों ने आग लगने की सूचना तुरंत थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधांशु तिवारी को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम मौके पर रवाना की गई।

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक स्कूटर और बाकी सामान पूरी तरह जल चुका था। थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। टीम मौके की जांच कर रही है ताकि आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा सके। घर मालिक प्रदीप कुशवाहा ने बताया कि उनके कच्चे मकान में एक्टिवा स्कूटर, मोटर, स्टार्टर सहित काफी प्लास्टिक का सामान रखा था, जो पूरी तरह जल गया है।

रीवा मार्ग पर पेड़ पर चढ़ा भालू, देखने के लिए उमड़ी भीड़; सड़क पर लग गया लंबा जाम

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। रीवा मार्ग पर खनौधी वन परिक्षेत्र के पास एक पेड़ पर भालू चढ़ गया। इस घटना को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कई घंटों तक लंबा जाम लगा रहा।

भालू कई घंटों तक पेड़ पर ही बैठा रहा। सड़क से गुजर रहे वाहन चालकों ने अपने वाहन रोक दिए और इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वन विभाग का अमला घटना के कई घंटों बाद मौके पर पहुंचा। गणेश केवट नामक एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वे दो घंटे तक मौके पर मौजूद थे, लेकिन इस दौरान वन विभाग की टीम नहीं आई थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वन विभाग की टीम के पहुंचने के बाद पेड़ के नीचे जमा भीड़ को हटाया गया। इसके बाद भालू पेड़ से नीचे उतरा और जंगल की ओर चला गया, जिससे यातायात सामान्य हो सका।

रानी अवंती बाई प्रतिमा से रेलिंग चोरी, इंडोर स्टेडियम के पास हुई घटना; लोधी समाज ने की कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। धनपुरी क्षेत्र में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के पास से स्टील की रेलिंग और तलवार चोरी हो गई है। इस घटना से स्थानीय लोधी समाज और क्षेत्र के निवासियों में चिंता व्याप्त है। यह घटना इंडोर स्टेडियम के निकट स्थित प्रतिमा स्थल पर हुई। प्रतिमा के चारों ओर लगी रेलिंग का एक हिस्सा पूरी तरह गायब है, जबकि शेष हिस्से में रेलिंग अभी भी मौजूद है।

लोधी समाज के जिला अध्यक्ष भोज लोधी ने पुलिस से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल आर्थिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी समाज के लिए क्षति है, और सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा आवश्यक है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शाम के समय इस क्षेत्र में अक्सर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जो मदिरापान कर माहौल खराब करते हैं। एक स्थानीय निवासी सुनील ने बताया कि इस संबंध में पहले भी पुलिस को सूचित किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोधी युवा महासभा के सदस्यों ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

नवजात शिशु की मृत्यु पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन को नोटिस जारी किया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिला चिकित्सालय सीधी के एसएनसीयू में भर्ती परित्यक्त नवजात शिशु (फीमेल चाइल्ड) की मृत्यु के मामले में लापरवाही के प्रथमदृष्ट्या संकेत मिलने पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सिविल सर्जन-सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक को नोटिस जारी किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिविल सर्जन द्वारा बाल कल्याण समिति सीधी को पत्र भेजकर यह बताया गया था कि नवजात की स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर किये जाने की आवश्यकता है। इस पर बाल कल्याण समिति ने संबंधित चिकित्सक के अभिमत के आधार पर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने तथा नवजात को रेफर करने के निर्देश जारी किए थे।

निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण में लापरवाही पर सचिव सस्पेंड, कलेक्टर ने जारी किए आदेश; बोले- निलंबन अवधि में भी मिलेगा वेतन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) कार्य में लापरवाही बरतने पर बुधवार शाम बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सचिव और मतदान केंद्र 67-कंधवार के वालंटियर सुभाष शुक्ला को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उपखंड अधिकारी और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र-76 चुरहट के शैलेश द्विवेदी की ओर से प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। प्रतिवेदन में बताया गया कि सेक्टर ऑफिसर कुमारी विनीता सोलंकी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, की ओर से बार-बार सूचित किए जाने के बावजूद सुभाष शुक्ला एसआईआर कार्य के दौरान लगातार अनुपस्थित रहे। वे दूरभाष पर भी उपलब्ध नहीं हुए।

एसआईआर कार्य की में लापरवाही से कार्रवाई: उनकी अनुपस्थिति के कारण मतदान केंद्र 67-कंधवार में एसआईआर कार्य की प्रगति बुरी तरह प्रभावित हुई। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने इसे गंभीर स्वेच्छाचारिता और घोर लापरवाही मानते हुए निलंबन की सिफारिश की थी।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए, कलेक्टर ने सुभाष शुक्ला को मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम 11 के नियम 7 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। उनका मुख्यालय जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, जिला सीधी निर्धारित किया गया है।

आदिवासी भूमि अधिग्रहण का विरोध, ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रक्रिया रोकने की मांग की

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। आदिवासी समुदाय की भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद गहरा गया है। गुरुवार को किसान संघर्ष समिति सिंगरौली के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें एक निजी कंपनी द्वारा आदिवासी बहुल क्षेत्रों में किए जा रहे भूमि अधिग्रहण को तत्काल रोकने की मांग की गई है। समिति ने जानकारी दी कि प्रस्तावित परियोजना के लिए लगभग 1400 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन का आवेदन किया गया है। इस परियोजना से 8 गांवों के 600 से अधिक परिवार सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। ग्रामीणों का दावा है कि यह क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील जनजाति समूह से संबंधित है।

उनके अनुसार, यह भूमि अधिग्रहण इन समुदायों के संवैधानिक अधिकारों, ग्रामसभा की स्वीकृति और पारंपरिक वनाधिकारों का उल्लंघन करता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक दबाव में पुलिस द्वारा आदिवासी परिवारों को जबरन उनके घरों से बेदखल किया जा रहा है। उन्होंने इन घटनाओं को अनैतिक और कानून के विरुद्ध बताया। ज्ञापन में कई प्रमुख मांगें रखी गई हैं।

बैगा समाज को योजनाओं से वंचित रखने का आरोप, कलेक्टर से मिला प्रतिनिधिमंडल; बोले- जिले को बैगा विकास प्राधिकरण में शामिल करें

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बैगा समाज सेवा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राममिलन बैगा के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने सिंगरौली कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर बैगा समुदाय से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। प्रतिनिधिमंडल का आरोप है कि सिंगरौली और सीधी जिले में रहने वाले बैगा समुदाय को विशेष पिछड़ी जनजाति के तहत मिलने वाले लाभों और विकास योजनाओं से लगातार वंचित रखा जा रहा है, जबकि प्रदेश के कई अन्य जिलों में यह सुविधाएं पहले से दी जा रही हैं।

विशेष योजनाओं से बाहर रखे जाने पर आपत्तिः प्रदेश अध्यक्ष राम मिलन बैगा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें बैगा जनजाति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, विशेष भर्ती और जनजातीय विकास से जुड़ी कई योजनाएं चला रही हैं। इसके बावजूद सिंगरौली और सीधी जैसे जिलों को इन योजनाओं के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि जब सरकार स्वयं बैगा समाज को अत्यंत पिछड़ी जनजाति की श्रेणी में मानती है, तब इन जिलों को योजनाओं से बाहर रखना उचित नहीं है।

पूर्व और वर्तमान सरकार की घोषणाओं का भी जिक्रः ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा कई मंचों से सिंगरौली को बैगा परियोजना में शामिल करने की घोषणाएं की गई थीं। लेकिन अब तक इन घोषणाओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रतिनिधियों ने मांग की कि सिंगरौली जिले को तुरंत बैगा परियोजना एवं विकास प्राधिकरण में शामिल किया जाए।

समुदाय को शिक्षा से रोजगार तक सुविधा दिलाने की मांगः प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि सिंगरौली को बैगा परियोजना में शामिल किया जाता है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आवास और रोजगार से जुड़ी सुविधाएं सीधे बैगा समाज तक पहुंच पाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा बिरसा मुंडा जयंती पर घोषित जनजातीय विकास कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक तभी पहुंचेगा जब प्रशासनिक स्तर पर जरूरी फैसले लिए जाएंगे।

दिव्यांगों को अब ऑनलाइन मिलेगी सुविधा, कलेक्टर के बैढ़न केंद्र को डिजिटल करने के निर्देश; बोले- बेहतर काम की जरुरत

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न जिला मुख्यालय स्थित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में अब सभी सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। कलेक्टर गौरव बेनल ने केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान यह निर्देश दिए। अभी तक दिव्यांगजनों को दिए जाने वाले उपकरणों का रिकॉर्ड मैनुअल रूप से रजिस्टर में रखा जाता था, जिसे अब डिजिटल किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बेनल ने केंद्र में उपलब्ध उपकरणों, उनके वितरण प्रक्रिया और स्टाफ की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने उपकरण निर्माण गतिविधियों का भी अवलोकन किया और स्टाफ से बातचीत की। कलेक्टर ने कहा कि केंद्र की व्यवस्थाएँ संतोषजनक हैं, लेकिन दिव्यांगजनों को अधिक लाभ पहुचाने के लिए इन्हें और बेहतर बनाना आवश्यक है। कलेक्टर ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि केंद्र में पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद हर महीने केवल 8 से 10 हितग्राहियों को ही उपकरण मिल पा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को वितरण प्रक्रिया में तेजी लाने और पात्र लाभार्थियों तक समय पर सहायता पहुँचाने के निर्देश दिए।

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

संपादकीय

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था। उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे।

जीवन में संस्कार अच्छा होना जरुरी

संजय गोस्वामी

जब से बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत हुई और आरजोडी मात्र 25 सीटों पर सिमट गई तो लालू परिवार में भयंकर अफरा तफरी का माहौल है यदि लालू जी पैसा के पीछे ना चलकर अच्छा संस्कार दिए होते तो तेजस्वी यादव अपनी बहन पर चप्पल नहीं उठाते और ऐ मीडिया में खुब चल रहा है उधर उसका भाई तेज प्रताप भी उससे अलग होकर नई पार्टी बनाई लेकिन क़ोई सफलता नहीं मिली और एनडीए की तरफ जाने का ऐलान भी कर दिया आज कल लालूजी के परिवार में तेजस्वी और रोहणी की चर्चा खुब जोरों पर चल रही है चुनाव से पहले जब मै पटना मै था तो तेजस्वी यादव का इतना बड़ा पोस्टर कभी नहीं देखा था उसके हार के कारणों पर नजर डालें तो सबसे पहले मुख्यमंत्री मंत्री पद की घोषणा, भाई से अलग होना और उनके सहयोगी दल मै कांग्रेस ने ही मोदीजी पर अनाप सनाप आरोप लगा कर छठ पूजा पर गलत शब्दों का प्रयोग करना, आपसी तालमेल की कमी फ्रेंडली फाइट ऐ सब कारणों से हार मिली जिससे सबक लेना चाहिए चुनाव निष्पक्ष हुए और लोग बड़े बड़े पोस्टर से वोट नहीं बल्कि काम पर वोट देते हैं वादे नहीं उसे निभाने की जरुरत है दस हजार रूपये मिले तो इसमें बबाल मचाने की क्या जरुरत है वहाँ के लेडीज़ की आर्थिक समस्या काफी कमजोर है अतः मिलने से क़ोई गलत नहीं है एक सम्मान राशि है जो अपने जेब मै तो नहीं रखा यदि बिहार जैसे गरीब राज्य के लोगों को कुछ मिल ही गया तो इसमें क्या बुराई है लालू जी एक समय भगवान राम का रथ रोककर खुब बाहबाही लूटा लेकिन यदि उनके विचार पर चला होता तो जंगल राज बिहार में नहीं आता और परिवार में अच्छा संस्कार मिलता जो रूपये पैसे से बढ़ कर होता,

संस्कार ही एक सम्मान दिलाता है और इसके लिए हर परिस्थिति में अपने को ढालना पड़ता है यानि मेहनत के सिवा क़ोई भी दूसरा रास्ता नहीं है अतः व्रत करने का फायदा तभी होगा जब मन से ईश्वर की आराधना करेंगे सम्मान इतने आसानी से नहीं मिलता है उसे पाने के लिए परिश्रम करना पड़ता है अतः एक दिन का व्रत रात होते ही ख़त्म हो जायेगा लेकिन जब भी कांटा पर चलना सिख गए तो मंजिल मिलेगी इसके लिए खुद को बदलना जरुरी है और संस्कार ही आपको अच्छा या बुरा बनाती है इसके लिए ना तो कोई गुरु की आवश्यकता है ना ही किसी ग्रन्थ की बस आप सिर्फ और सिर्फ भगवान राम का ध्यान कीजियेगा तो आप के अंदर बदलाव आएगा और सेवा की भावना जागरूक होगी जिस दिन आप भगवान राम के नाम को समझ गए तब आपके अंदर ना तो अहंकार आएगा ना ही घमंड जो सुहाग मिला है वो उसकी मर्जी से मिला है शायद क़ोई अच्छा ना हो क़ोई बुरा हो लेकिन कुछ तो अच्छाई है तभी तो आपका रिश्ता टीका है नहीं तो क्रोध में क़ोई कुछ भी कर लेता है ध्यान दीजियेगा क़ोई एक दिन में गाड़ी चलाना नहीं सीखता है उसके लिए कम से कम एक साल तो लग ही जाता है और तभी वो एक कुशल चालक बनता है रिश्ते पेट को बन्द करने से नहीं बल्कि क्रोध और घमंड को दूर करने से हमेशा लोहे के जैसा मजबूत हो जाता है कुछ लोग की सोच एक अलग किस्म की होती है जो दिखावे पर ज्यादा और हकीकत में कम होती है पति पत्नी का रिश्ता भी उसने पहले ही सेट कर दिया है और जो होना होता है उसी की मर्जी से होता है अतः हमेशा शांति से काम लें मन हमेशा इधर उधर भटकता है लेकिन सही या गलत तब समझ में आता है जब आप दुःख की घड़ी में मुकर जाते हैं फिर नफरत होती है जो नुकसानदेह है यदि चुम्बक लोहे से नहीं सट रहा है तो इसका मतलब है वो चुम्बक की चाल को समझ चुका है या तो लोहे से चुम्बक की दुरी अधिक है या चुम्बक उतना शक्तिशाली नहीं है हम पहले तो ऐ सोचना छोड़ दे की क़ोई गलती किया है तो उसपर बरसना उसे प्यार से समझाना भी एक कला है है आखिर एक ही नहीं आपसे अन्य से भी यही शिकायत क्यों मिलती है कि उसके टोन ठीक नहीं है यदि आपके जरा सी बात को आमने आपस में बैठकर नहीं हल करेंगे तो सम्बन्ध में दरार पैदा होगी और इसे जल्द से जल्द सॉल्व कर लें आपस में मिलजुल रहने में सिर्फ आपकी नहीं सबकी भलाई है वो एक बार नहीं कई बार आपके गुस्से को नजरअंदाज किया है लेकिन जब दिल में बुरे समय में चोट लगती है तो फिर वो दोबारा लाख कोशिश कर लें सटेगा नहीं जैसे एक पेड़ अंधी से टूट गया तो फिर वही पेड़ कभी खड़ा नहीं होगा।

> **नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी।**

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

ललित गर्ग

सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए।

मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी।

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागज़ों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को ÷नक्सलवाद मुक्त भारत÷ बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज़ किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

मनोरंजन से मानसिक क्रांति तकः टीवी का बदलता चेहरा

(विश्व टेलीविजन दिवस (21 नवम्बर) पर विशेष)

> **टीवी का बदलता रूप और बहुआयामी प्रभाव 'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है।**

योगेश कुमार गोयल

यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

नशा मुक्ति जागरूकता के लिए खोगापानी में क्रिकेट प्रतियोगिता, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने दिए महत्वपूर्ण संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार और पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के निर्देशानुसार जिले में नशा मुक्ति को लेकर चल रहे जनजागरण अभियान के तहत पुलिस चौकी खोगापानी द्वारा विशेष खेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 18 नवंबर 2025 को यमुना प्रसाद शास्त्री स्कूल ग्राउंड में स्थानीय बालकों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में एसडीओपी मनेन्द्रगढ़ अलेक्सियुस टोप्पो, चौकी प्रभारी खोगापानी, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि, शिक्षक सहित लगभग 200 छात्रों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने बच्चों और उपस्थित जनता को खेलों के महत्व के साथ-साथ नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।

एसपी ने सभी नागरिकों से अपील की कि यदि आसपास कहीं नशा बेचने या उसके अवैध कारोबार की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि इस कुरीति को जड़ से समाप्त किया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिले की पुलिस द्वारा नशे के अवैध व्यापार पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता अभियान जारी है, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ रहा है और समाज में सकारात्मक संदेश जा रहा है।

शिवपुरी में बेरोकटोक चल रहे अवैध रेत के डंप, आबादी क्षेत्रों में धूल-धुएं से बढ़ी दुर्घटनाएं; प्रशासन मौन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिला प्रशासन की कथित उदासीनता के चलते शहर के आबादी वाले क्षेत्रों में अवैध रेत और गिट्टी के डंप (पड़) बेरोकटोक संचालित हो रहे हैं, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था और नागरिकों का स्वास्थ्य दोनों गंभीर खतरे में हैं। ग्वालियर बायपास हो या गुना बायपास अथवा पुरानी शिवपुरी चौराहे के आसपास का क्षेत्र, शहर के चारों ओर घनी आबादी के बीच ये अवैध खनन सामग्री के डंप संचालित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि मध्य प्रदेश शासन के इको-प्रमाणित नियमों या किसी भी वैध दस्तावेज के बिना ये डंप धड़ल्ले से चल रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं जा रहा है। यह समस्या न केवल अवैध खनन की है, बल्कि इन डंपों से सामग्री ढोने वाले ट्रैक्टर और डंपर शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार में फर्राटे मारते हुए निकलते हैं, जिससे हर वक्त दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है।

इन वाहनों से उड़ने वाली दूधिया धूल की भारी मात्रा बाइक सवारों और राहगीरों की आँखों में धूल भरने का काम कर रही है, जिसके चलते सड़कों पर अचानक ब्रेक लगने और दुर्घटनाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस अनियंत्रित परिवहन के कारण शहर की ट्रैफिक व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा गई है। इस गंभीर विषय पर जब माइनिंग अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया जाता है, तो वे अक्सर फोन रिसीव करने से कतराते हैं, जो विभाग की जवाबदेही पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाता है। स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों ने प्रशासन से तुरंत इन अवैध डंपों पर सख्त और निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की है, क्योंकि इन अवैध गतिविधियों ने शिवपुरी शहर की पूरी व्यवस्था को खराब करके रख दिया है और माइनिंग विभाग की कार्रवाई में कतराने की वजह क्या है, यह भी एक बड़ा सवाल है।

शासकीय संस्थाओं में सामग्रियों के विक्रय हेतु विक्रेताओं से जेम पोर्टल में ऑनबोर्डिंग हेतु अपील

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्धारित भण्डार क्रय नियम के तहत अब सभी प्रकार की वस्तुओं की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम के तहत जेम पोर्टल पर उपलब्ध वस्तुओं का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से ही क्रय किये जाने के निर्देश हैं। इस संबंध में जिले के समस्त विभागों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय एवं प्रदायकर्ताओं की जेम पोर्टल पर ऑन-बोर्डिंग प्रोत्साहित करने के लिए दिनांक 13 नवम्बर 2025 को जनपद पंचायत सभाकक्ष, मनेन्द्रगढ़ में दो पालियों में जेम के प्रशिक्षक द्वारा रायपुर से आकर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें संबंधित समस्त विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ ही कुछ विक्रेता भी उपस्थित रहे। जिले के समस्त वेंडर्स, चौम्बर ऑफ कॉमर्स, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम एवं अन्य फर्मों से जो जेम के माध्यम से अपने सामग्रियों का विक्रय करना चाहते हैं, उनसे जिला प्रशासन द्वारा अपील की जाती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में जेम पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग होकर अपने वस्तुओं का विक्रय शासकीय संस्थाओं को कर सकें। ताकि जिले के फर्मों को इस पोर्टल के माध्यम से सामग्री उपलब्ध कराने का अवसर प्राप्त हो सके। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए कार्यालय कलेक्टर में स्थित जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, संयुक्त कार्यालय भवन, प्रथम तल, कक्ष क्रमांक 27, मनेन्द्रगढ़ में कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

खाकी की सख्ती से अवैध नशे पर रोक, सरकारी शराब दुकानों का राजस्व बढ़ा, जिले में बदली पुलिसिंग की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के कार्यभार ग्रहण करते ही पुलिसिंग की तस्वीर तेजी से बदली है। विधानसभा क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों पर लगातार कार्रवाई के बाद शहर की आबोहवा बदल गई है। नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर रोक, हेलमेट-सीटबेल्ट के अनिवार्य पालन और ओवरलोडिंग पर सख्ती ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब खाकी पूरी मुस्तैदी से सक्रिय भूमिका निभा रही है।

विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के चुनावी वादे: 'विधानसभा में अवैध नशा पूरी तरह बंद'—को लागू करने की दिशा में यह बदलाव निर्णायक

माना जा रहा है। पहले पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठते रहे, लेकिन प्रशासनिक फेरबदल के बाद एसपी रत्ना सिंह ने 15 दिनों में ही पुलिस बल की कार्यशैली में कसावट ला दी। चिरमिरी के टाउन इंस्पेक्टर विजय सिंह, मनेंद्रगढ़ टीआई दीपेश सैनी, पोड़ी टीआई राजवीर गायकवाड़, खड़गवां थाना प्रभारी सुनील तिवारी और साइबर प्रभारी पाटले की संयुक्त कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप है।

चिरमिरी में टीआई विजय सिंह ने यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान के साथ-साथ सघन दबिश देकर नाबालिग वाहन चालकों और नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया। वहीं मनेंद्रगढ़ में लंबे समय से होटलों में परोसी जा रही अवैध शराब, नशीली दवाइयों और जुए-सट्टे पर कड़े कदम उठाए गए।

राजस्व में बढ़ोतरी का कारण: जले में नशीली दवाइयां, इंजेक्शन, अवैध देशी शराब और गांजा की उपलब्धता पर अंकुश से इनके उपभोक्ता अब सरकारी शराब दुकानों की ओर रुख कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चिरमिरी की एक दुकान में ही प्रतिदिन 50,000 से 70,000 रुपये तक की आय में वृद्धि दर्ज की गई है। अवैध नशा बंद होने से राजस्व में आई यह बढ़ोतरी पुलिस की सख्ती का प्रत्यक्ष परिणाम मानी जा रही है।

पुलिस ने बलात्कार करने बाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय किया पेश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पीड़िता ने थाने आकर रिपोर्ट की थी कि उसके गांव व समाज के नाते देवर अंकित पाल पुत्र करन सिंह पाल निवासी ग्राम सहरया थाना दिनारा ने पिछले एक साल से उसके साथ डरा धमका कर लगातार बलात्कार किया पीड़िता दिनांक 16.11.2025 आरोपी अंकित पाल के विरूध्द अप क्रं. 260/25 धारा 64(2)(एम),332 (बी), 351 (3) बीएनएस पंजीबध्द किया गया।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ द्वारा आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये। अति0पुलिस अधीक्षक संजीव मुले, एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे गुण्डा विरोधी अभियान के तहत दिनांक 18.11.2025 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी की आरोपी अंकित पाल रेस्ट हाउस के पास दिनारा मे कहीं जाने की फिराक मे खड़ा है। सूचना पर से तत्काल कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागा जिसे फोर्स की मदद से पकड़कर उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अंकित पाल पुत्र करन सिंह पाल निवासी ग्राम सहरया का होना बताया जो अपराध क्रमांक 260/2025 का आरोपी होने से मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। बाद आरोपी को माननीय न्यायालय करैरा पेश किया गया। सराहनीय योगदान उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी दिनारा उनि रामेन्द्र सिंह चौहान, उनि रामानंद पचौरी, सउनि सुल्तान सिंह अंसोलिया, सउनि नारायण सिंह, प्र.आर. हिमांशु चतुर्वेदी, आर. संदीप, आर. विकाश दुवे, आर. प्रदीप कौरव, सैनिक विशाल, सैनिक सुरेन्द्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जनकपुर पुलिस की सतर्कता से 18 वर्षीय युवक जीवित मिला, परिजनों ने मान लिया था मृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनकपुर थाना क्षेत्र से 12 अगस्त 2025 को गायब हुए 18 वर्षीय युवक राजकुमार पनिका को पुलिस ने जीवित अवस्था में बरामद कर लिया। परिजनों ने आशंका जताई थी कि उसकी हत्या कर शव को दफना दिया गया है, जिसके बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच करते हुए कई चरणों में कार्रवाई की।

मामले की शुरुआत तब हुई जब राजकुमार की मां गुड्डी पनिका ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका पुत्र 17 नवंबर 2024 को छोटू बैगा के साथ घर से मेरठ काम करने जाने की बात कहकर निकला था। कुछ समय बाद छोटू बैगा तो लौट आया, लेकिन राजकुमार का कोई पता नहीं चल सका। छोटू भी उसकी स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था। मामले में गुम इंसान क्रमांक 22/2025 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों आईजी सरगुजा दीपक कुमार और एसपी रत्ना सिंह—ने प्रकरण की गंभीरता देखते हुए नियमित मॉनिटरिंग की। एसडीओपी अलेक्सियुस टोप्पो के मार्गदर्शन में पुलिस ने हर संभावना की जांच की। परिजनों की आशंका पर मध्यप्रदेश के गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम वेल्ली में शव उत्खनन की कार्रवाई भी की गई, जो निष्फल रही। आरोपी छोटू बैगा के ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए न्यायालय में आवेदन भी प्रस्तुत किया गया।

19 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि राजकुमार अपने भाई कमलेश के ससुराल, ग्राम बरनागिरई (थाना ब्योहारी, जिला शहडोल) में देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सुरक्षित बरामद कर लिया।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे, प्रधान आरक्षक संदीप बागीस, संजय पांडे तथा आरक्षक सूर्यपाल और विष्णु यादव की सक्रियता से वह युवक, जिसे लगभग मृत मान लिया गया था, अंततः जीवित मिल सका।

जिला स्तरीय बैंकर्स व विभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न कलेक्टर ने दिए हितग्राही प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समन्वय समिति की बैठक का आयोजन गत दिवस कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में लीड बैंक मैनेजर, विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी तथा बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मत्स्य संपदा योजना, उद्यम क्रांति योजना, पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड, आचार्य विद्यासागर योजना, आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त ऋण आदि की समीक्षा की गई। साथ ही अन्य स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई, जिन योजनाओं के तहत हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर श्री चौधरी ने शाखा प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों के प्रकरण पात्रता अनुसार सही पाए जाएं, उन्हें तत्काल स्वीकृत किया जाए तथा समयसीमा में ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि जिले में लाभार्थी उन्मुख योजनाओं का लक्ष्य समय पर पूरा हो सके। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न योजनाओं के प्राप्त लक्ष्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा बीआरई लोन के द्वारा त्वरित समय से अधिकाधिक लोन वितरण कर एमएसएमई के अच्छे ग्रोथ के लिए सराहना की।

पुलिस द्वारा जुए के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए 04 लोगों को गिरफ्तार किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस अधिक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ द्वारा जिले में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा जिले में अवैध शराब, सट्टा, जुआ एवं अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले के मार्गदर्शन में एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा द्वारा मुखबिर की सूचना पर से अवैध जुआ पड़कर कार्यवाही की।

एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा को 19 नवंबर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना बामौरकलां क्षेत्रान्तर्गत ग्राम काली पहाड़ी बायपास के आंगनबाड़ी के पीछे खेतों में पहाड़ी के पास कुछ व्यक्ति तास पत्तों से रूपये पैसों का हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुये थाना बामौरकलां व खनियाधाना से पुलिस फोर्स को साथ लेकर मुखबिर के बताये स्थान पर ग्राम कालीपहाडी बायपास के पास आंगनबाडी के पीछे खेतों में पहुंचे तो खेतों में कुछ लोग तास पत्तों से रूपयों पैसों से दांव लगाकर जुआ खेलते दिखे। रूपयों पैसों से हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेलने का पूर्ण विश्वास होने पर हमराही फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकडा तो जुआ खेलने वाले करीब 19 या 20 व्यक्ति मौके से भाग गये, 04 लोगों को पकडा उनका नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम मनोज पुत्र भैयालाल गुप्ता उम्र 50 साल नि0 बसस्टैण्ड बामौरकलां, दूसरे ने अपना नाम अतुल पुत्र राजेन्द्र श्रीवास्तव उम्र 35 साल नि0 बाजार बामौरकलां, तीसरे ने अपना नाम मलखान सिंह पुत्र मेहरबान सिंह यादव उम्र 48 साल नि0 कुशवाह कालोनी मुंगावली जिला अशोकनगर, चौथे ने अपना नाम अशोक कुमार पुत्र गोविन्द सिंह कुशवाह उम्र 33 साल नि0 बागबाना मोहल्ला बामौरकला थाना बामौरकला जिला शिवपुरी का होना बताया।

बागेश्वर धाम की कथा : शिवपुरी में 'श्रद्धा का महाकुंभ', वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ सुरक्षा और यातायात प्लान जारी

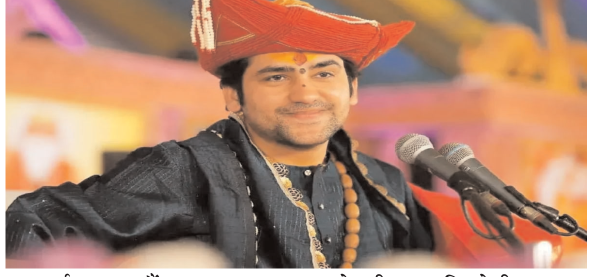

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में 24 नवंबर से होने वाली पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन और प्रशासन ने मिलकर आज विस्तृत प्रोग्राम का प्लान जारी कर दिया है। इस धार्मिक 'लघु महाकुंभ' को सफल बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं, जिनमें सुरक्षा, पार्किंग, अस्थाई बस स्टैंड, और कथा स्थल को 'नो बैग ज़ोन' घोषित करना शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अवसर पर 2500 शंखों का एक साथ नाद करके शंखनाद का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का भी प्रयास किया जाएगा।

यातायात और पार्किंग व्यवस्था: कथा में लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद के चलते शहर में जाम की स्थिति से बचने के लिए प्रशासन ने व्यापक यातायात योजना तैयार की है। शहर में कुल 3 अस्थाई बस स्टैंड बनाए गए हैं:-

* ग्वालियर से आने वाली सभी यात्री बसों को ग्वालियर बाईपास पर ही रोका जाएगा।

* श्योपुर और पोहरी रोड से आने वाली सभी बसों को रेलवे क्रॉसिंग से पूर्व ही रोक दिया जाएगा।

* गुना की ओर से आने वाली बसों को गुना बाईपास पर स्थित खाटू श्याम मंदिर के पीछे बने पार्किंग स्थल पर रोका जाएगा।

* झांसी रोड से आने वाली बसों को 2 बत्ती चौराहे तक ही आने की अनुमति होगी।

श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए शहर में 3 पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं। पहली पार्किंग गुना बाईपास पर स्थित खाटू श्याम मंदिर के पीछे खाली जमीन पर बनाई गई है, जो गुना और श्योपुर रोड से आने वाले बड़े वाहनों, बसों और ट्रैक्टरों के लिए है, और यहीं एक अस्थाई बस स्टैंड भी होगा। दूसरी पार्किंग झांसी रोड पर स्थित फ्रूटमंडी में बनाई जा रही है, जहां ट्रैक्टर और बसों की पार्किंग होगी। तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण पार्किंग कथा स्थल के समीप हवाई पट्टी पर बनाई जा रही है, जो विशेष रूप से टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर के लिए है। यहां वीआईपी पार्किंग का निर्माण भी अलग से किया जा रहा है। इन सभी पार्किंग स्थलों पर लाइट, पेयजल और पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था रहेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के दौरान स्कूल बस, ऑटो, वैन और किसी भी आपातकालीन वाहन को कहीं भी नहीं रोका जाएगा।

विशाल कथा स्थल और सुरक्षा के इंतजाम: बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा के लिए हवाई पट्टी के पीछे स्थित नर्सरी ग्राउंड को आयोजन स्थल बनाया गया है। लगभग 50 बीघा जमीन को समतल किया गया है और विशाल ग्राउंड को चारों ओर से टीनशेड लगाकर सुरक्षित किया गया है। कथा स्थल पर लगभग 4 लाख फुट का विशाल टेंट लगाया जा रहा है, जिसमें कुल 5 पंडाल बनाए गए हैं। मुख्य डॉम पंडाल ढाई लाख फुट का है, जिसकी चौड़ाई लगभग 150 फुट और लंबाई 1400 फुट है। व्यासपीठ के लिए 80 बाई 150 फुट का विशाल मंच तैयार किया जा रहा है। अतिरिक्त चार पंडालों को साधु-संतों, प्रेस, सेवादारों, और आयोजनकर्ता व गणमान्य नागरिकों के लिए आरक्षित किया गया है।

सुरक्षा की दृष्टि से कथा स्थल में प्रवेश के लिए 3 प्रवेश द्वार बनाए गए हैं, जहां डीएफडी मशीन से प्रत्येक व्यक्ति की जांच होगी। कथा स्थल पर 100 कैमरे लगाए गए हैं। कथा के मुख्य यजमान कपिल गुप्ता (अमोला वाले) ने बताया कि सुरक्षा के लिए कथा क्षेत्र को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है। इसके अलावा, माता-बहनों से विशेष आग्रह किया गया है कि वे अपने साथ झोला या बैग न लाएं, क्योंकि क्षेत्र को नो बैग जोन घोषित किया गया है, और किसी भी प्रकार का कीमती आभूषण धारण कर कथा सुनने न आएं।

कार्यक्रम का विवरण और भंडारा: श्रीमद भागवत महापुराण का यह आयोजन 23 नवंबर को कलश यात्रा के साथ शुरू होगा, जो मां राजेश्वरी दरबार से कथा स्थल तक पहुंचेगी। भागवत कथा का शुभारंभ 24 नवंबर से होगा और यह 30 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। दिव्य दरबार की तारीख अभी तय नहीं हुई है। मुख्य आयोजक कपिल अमोला वालों ने बताया कि कथा स्थल के सामने ही एक विशाल भोजनशाला का निर्माण किया जा रहा है, जहां 30 हजार लोगों के लिए विशाल भंडारा हो सकेगा। कथा संयोजक ने कलश यात्रा में माता-बहनों से सादर पधारने का निवेदन किया है।

टाइगर का शिकार, 9 शिकारियों को 4-4 साल की जेल

नोटों की बारिश कराने के लिए की थी हत्या; 25-25 हजार का जुर्माना

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम की कोर्ट ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (STR) के जंगल से बाघ का शिकार करने वाले संगठित गिरोह के 9 सदस्यों को 4-4 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इन शिकारियों ने नोटों की बारिश (धनवर्षा) कराने के लिए तंत्र-मंत्र के मकसद से टाइगर की हत्या की थी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (STSF) ने बुधवार शाम को फैसला आने के बाद इसकी जानकारी दी। यह अपराध 3 दिसंबर 2018 को उजागर हुआ था। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल और एसटीआर की टीम ने ग्राम कामती में बालिका छात्रावास के पास जामन सिंह बट्टी के खेत में बने टप्पर पर छापा मारा था। वहां 4 युवक बाघ की खाल और मूंछों के बाल के साथ पूजन-पाठ करते पकड़े गए थे।

धनवर्षा के लिए रखे थे 3 पंजे और 12 नाखून : जांच में सामने आया कि आरोपी नोटों की बारिश कराने के लिए पूजा कर रहे थे। वे बाघ के 3 कटे-पिटे पंजे, मूंछ के बाल और 12 नग नाखून लेकर बैठे थे। पूछताछ में मुख्य आरोपी हेमंत उर्फ बब्लू बट्टी ने बताया था कि उसने अपने घर के पूजा वाले स्थान पर बाघ के ये अंग छुपाकर रखे थे।

पहले 4 पकड़ाए, फिर पूरा गिरोह हत्थे चढ़ाः एसटीएसएफ और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के संयुक्त दल ने मौके से हेमंत कुमार उर्फ बब्लू बट्टी, ओमप्रकाश, जयप्रकाश और चमन सिंह को पकड़ा था। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया और मृत बाघ के अन्य अंगों को छुपाने की बात बताई। इसके बाद 4 दिसंबर 2018 को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया गया और आगे की विवेचना में गिरोह के अन्य 5 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया।

कोर्ट ने माना गंभीर अपराध, नहीं दी राहतः न्यायालय ने सभी 9 शिकारियों को वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 (शिकार करना) और 49 बी (अवैध कब्जा) के उल्लंघन का दोषी पाया। कोर्ट ने कहा कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को किसी भी तरह का लाभ देना उचित नहीं है। इसके बाद सभी को 4-4 वर्ष का सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। सजा पाने वाले 9 शिकारियों में 4 नर्मदापुरम जिले (सोहागपुर-पिपरिया) के और 5 छिंदवाड़ा जिले के हैं। नर्मदापुरम के आरोपी- हेमंत कुमार उर्फ बब्लू बट्टी (ग्राम कामती रंगपुर), ओमप्रकाश (तहसील कॉलोनी पिपरिया), जयप्रकाश धुर्वे (ग्राम राईखेड़ी) और चमन सिंह धुर्वे (ग्राम राईखेड़ी)। छिंदवाड़ा के आरोपी- फुंदन, इंदर सिंह कोरकू, मानक, सीताराम (सभी निवासी ग्राम बरूठ, तहसील जुन्नारदेव) और अर्जुन उर्फ डब्ल्यू (निवासी ग्राम बम्होरी, तामिया)।

गड्ढे ने बिगाड़ा संतुलन, मक्का से भरा ट्राला पलटा

खरगोन, एजेंसी। ग्राम नंदगांव बगूद में बुधवार शाम करीब 4.45 बजे मक्का से भरा ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चालक को गंभीर चोट आई है। ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से चालक को जिला अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार 22 पहिए वाला यह ट्राला मक्का लेकर खरगोन से गुजरात के लिए निकला था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बीएसएनएल ने खरगोन से रजूर तक आधा-आधा किमी की दूरी पर सड़क किनारे 4 से 5 फीट गहरे व 4 से 5 फीट लंबे गड्ढे खोद रखे है। इससे वाहनों का संतुलन बिगड़ रहा है। इन गड्ढों के कारण वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे है।

मंगलवार को भी ग्राम सेगवाल (बड़वानी) निवासी रवि वर्मा की बाइक गड्ढे के कारण असंतुलित हो गई। इसे भी इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया था। दो दिन पहले ग्राम रजूर में यात्री बस दुर्घटना का शिकार हो गई थी। टोल बचाने के चक्कर में ग्रामीण रास्तों का उपयोग इधर.. अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल ग्रामीणों ने बताया टोल बचाने के चक्कर में अक्सर भारी वाहन इस मार्ग से गुजरते है। इसको लेकर पहले भी शिकायत की गई थी। लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तेज रफ्तार भारी वाहनों से हादसों की आशंका बनी रहती है।

कार-ट्रक की टक्कर में 3 वेटनरी डॉक्टर्स की मौत

4 घायल; गुना में दोस्त की शादी समारोह से लौट रहे थे

गुना, एजेंसी। के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के भिलेरा गांव के पास बुधवार रात करीब 2 बजे तेज कार और ट्रक की टक्कर में 3 युवा वेटनरी डॉक्टर्स की मौत हो गई। 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक अपने दोस्त की शादी से लौट रहे थे। दो घायलों को हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। बाकी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, कार गुना की तरफ से आ रहे लगभग 12-पहिया ट्रक से टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। टक्कर से ट्रक भी नियंत्रण खोकर सड़क पर घूम गया और पलट गया। रात का समय होने के कारण सड़क पर आवाजाही नहीं थी। हादसे में घायल युवक काफी देर तक सड़क पर पड़े कराहते रहे। बाद में एक राहगीर वहां से निकला, जिसने मौके का हाल देखकर तुरंत डायल-112 पर कॉल किया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंची। कार बुरी तरह दब जाने के कारण टीम को कई घंटे मशक्कत करनी पड़ी। सभी घायलों और मृतकों को कार के मलबे से निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने 3 युवकों को मृत घोषित कर दिया। 2 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर किया गया।

मृतकों और घायलों की पहचान हुईः हादसे में भिंड के आकाश चौरसिया, श्योपुर के नमोनारायण मीना और गुना के चांचौड़ा के मनीष कुमार जाटव की मौत हुई है। गंभीर रूप से घायल योगेश करोलिया और पारस करोलिया को भोपाल रेफर किया गया है। जबकि सूरज जाटव और अजय शाक्य का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सभी दोस्त और वेटनरी प्रेक्टिसिंग डॉक्टरः सभी युवक वेटनरी के प्रेक्टिसिंग डॉक्टर थे और इन्होंने साथ में पढ़ाई की थी। बुधवार रात वे सभी अपने एक साथी की शादी समारोह में शामिल होने गुना जिले के आरोन पहुंचे थे और वहीं से वापस लौट रहे थे।

टीकमगढ़ में नपा के 500 ताड़ के पौधे सूखे

अमलताश भी नहीं बचे, सीएमओ बोले- बाउंड्रीवॉल बनाकर फिर लगाएंगे

टीकमगढ़, एजेंसी। टीकमगढ़ में नगर पालिका द्वारा ढोंगा मैदान को आकर्षक बनाने के लिए चलाया गया पौधारोपण अभियान विफल हो गया है। करीब 50 एकड़ में फैले इस मैदान में लगाए गए सैकड़ों पौधे दो महीने के भीतर ही सूख गए हैं। बरसात के मौसम में मैदान के चारों ओर लगभग 500 ताड़ के पौधे लगाए गए थे। इनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए, लेकिन अब मैदान में केवल ट्री गार्ड ही नजर आ रहे हैं और पौधे गायब हो चुके हैं। यह अभियान राजशाही दौर में लगाए गए ताड़ के पेड़ों की श्रृंखला को बनाए रखने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिनमें से कई पेड़ लगभग 100 साल की अवधि में टूट गए थे।

ताड़ के पौधों के बाद, नगर पालिका ने मैदान के चारों ओर 5000 अमलताश के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था। इसमें से करीब 2000 अमलताश के पौधे लगाए भी गए थे। हालांकि, वर्तमान में न तो ताड़ के पौधे जीवित बचे हैं और न ही अमलताश के। अमलताश के लगाए गए 2000 पौधों में से केवल 50 पौधे ही बचे हैं।

नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया ने बताया कि पौधों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण वे जीवित नहीं रह सके। उन्होंने कहा कि अब मैदान के चारों ओर बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जा रहा है ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बाउंड्रीवॉल का काम पूरा होने के बाद दोबारा पौधे लगाए जाएंगे। सीएमओ ने यह भी बताया कि अमलताश के 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य था, लेकिन लगभग 1500 पौधे ही लगाए जा सके थे। उन्होंने पौधारोपण अभियान में हुए खर्च के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

टीचर हाथ पकड़ता था, 11वीं की छात्रा ने फांसी लगाई

सुसाइड नोट में लिखा- स्कूल में मारते-मारते पूछता था, मेरा हाथ ठंडा है कि नहीं

रीवा, एजेंसी। रीवा में 11वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। गुरुवार को पुलिस ने मौके से छात्रा का मोबाइल और एक सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में छात्रा ने स्कूल के शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने लिखा टीचर जब भी मारता थाज हाथ पकड़ लेता था। अपनी मुट्ठी बंद कर चैलेंज देता था कि अब उसे खोलकर दिखाओ। बेंच के ऊपर ऐसे ही हाथ पकड़कर बोलता कि देखो कितना ठंडा है मेरा हाथ। तो कभी पनिशमेंट देने के बहाने मेरी उंगलियों के बीच में पेन डालकर जोर से दबाता था। आखिर ये सब क्या है। घटना के बाद से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर की लाड़ली थी, स्कूल में मिला टॉर्चरः छात्रा के दादा और पिता ने कहा, अगर कॉल डिटेल और स्कूल से जुड़े पहलुओं पर जांच हो तो सच्चाई सामने आ जाएगी। दादा ने बताया, उसे घर से तो कोई दिक्कत नहीं थी। न ही घर में उसे कोई कुछ बोलता था। सब उसे बेहद प्यार करते थे क्योंकि वह घर में सबकी लाडली थी। उसकी समस्या और मौत की वजह स्कूल से जुड़ी हुई है। कोई उसे बहुत टार्चर कर रहा था। जिसकी वजह से मजबूरन उसे अपनी जान देनी पड़ी।

बहन ने लिया क्लासमेट का नामः छात्रा की बड़ी बहन ने पुलिस को एक नाबालिग लड़के का नाम बताया था जो उसकी क्लास में पढ़ता था और जिससे वह बात करती थी। लेकिन पुलिस की जांच में ऐसा कुछ सामने नहीं आया है, जिससे लड़के को दोषी माना जा सके। पुलिस के मुताबिक दोनों के बीच केवल दोस्त जैसे संबंध थे।

टीआई बोले- लेटर मिला है, जांच कर रहे हैंः थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया, पुलिस ने एक लेटर बरामद किया है। छात्रा ने सुसाइड क्यों किया है, अभी ठोस तौर पर इस नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं। मौत की असल वजह क्या है यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल आप जिस लेटर के बारे में पूछ रहे हैं, जिसमें एक शिक्षक का जिक्र किया गया है। उसमें बच्ची ने शिक्षक के असामान्य व्यवहार के बारे में कुछ लिखा है, जिसके संबंध में पड़ताल के बाद ही कुछ बता पाएंगे।

परिजन और ग्रामीण आक्रोशितः घटना के बाद लोगों की मांग है कि संबंधित शिक्षक और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। पुलिस सुसाइड नोट की फॉरेंसिक जांच और मोबाइल डेटा की पड़ताल कर रही है।

पन्ना-कटनी मार्ग पर हाइवा पलटा

स्टेडियम के पास हुआ हादसा, चालक ने कूदकर बचाई जान

पन्ना, एजेंसी। पन्ना-कटनी मार्ग पर रैपुरा थाना अंतर्गत स्टेडियम के पास एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। यह घटना गुरुवार, 20 नवंबर को हुई। हादसे में हाइवा चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई और कोई हताहत नहीं हुआ। हाइवा चालक के अनुसार, वह अपने वाहन (क्रमांक एमपी-21, जेडडी-2889) से कटनी से पन्ना की ओर जा रहा था। स्टेडियम के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्राला ने क्रॉसिंग के दौरान हाइवा को कट मार दिया।

ट्राला के कट मारने से चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और हाइवा सड़क किनारे पलट गया। चालक ने समय रहते वाहन से छलांग लगा दी, जिससे वह सुरक्षित बच गया। घटना की जानकारी मिलने पर राहगीरों ने चालक की मदद की। फिलहाल, पलटे हुए हाइवा को क्रेन की सहायता से हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

रतलाम में ठंड को देखते हुए स्कूलों का समय बदला

8वीं तक की क्लास सुबह 9 बजे से पहले नहीं लगेगी

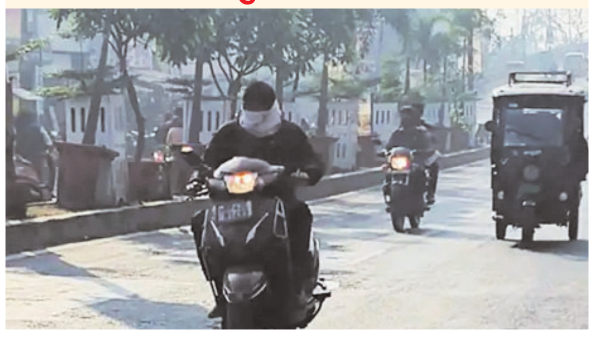

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में तापमान में लगातार गिरावट होती जा रही है। विद्यार्थियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी अनिता सागर ने नर्सरी से 8वीं तक की कक्षाओं का समय बदल दिया है। अब सुबह की कक्षाएं 9 बजे से पहले नहीं लगेंगी। जिले की नर्सरी से 8वीं तक की सभी शासकीय, प्राइवेट, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य संबद्ध शैक्षणिक संस्थाओं को इस बदलाव का पालन करना होगा। आदेश के मुताबिक सुबह 9 बजे से पहले कक्षाएं संचालित नहीं की जा सकेंगी। हालांकि स्कूलों का समय बदल दिया गया है, लेकिन प्राइवेट स्कूलों की तरफ से अब तक पेरेंट्स को किसी तरह की आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। तापमान में लगातार गिरावट होती जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से मारी टराजस्थान पत्रिका र:एक की घटनास्थल पर ही मौत, दूसरा घायल; चालक वाहन छोड़ फरार

बीना, एजेंसी। बीना के खुरई शहरी थाना क्षेत्र के ग्राम रेगुवा में गुरुवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, रेगुवा निवासी ग्यारसी अहिरवार अपने बेटे लाखन और दोस्त विकास के साथ सेंट्रल बैंक गए थे। ग्यारसी का बेटा लाखन काम होने पर खुरई में ही रुक गया, जबकि ग्यारसी और विकास अपने गांव लौट रहे थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया, जहां शुक्रवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा। इधर, हादसे की सूचना पर 108 एम्बुलेंस के पायलट प्रहलाद यादव भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली है और फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आरोपी वाहन चालक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीहोर में कड़ाके की ठंड, पारा 6.5 डिग्री पर पहुंचा

बादल छंटने से और गिरेगा तापमान; दिन-रात के पारे में करीब 20 डिग्री का अंतर

सीहोर,एजेंसी। सीहोर में गुरुवार को भी कड़ाके की ठंड जारी रही। जिले में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आसमान से बादल साफ होने और ठंड का प्रभाव और बढ़ने की संभावना जताई है।

गुरुवार को अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इस तरह न्यूनतम और अधिकतम तापमान में काफी अंतर देखा गया। पिछले एक-दो सप्ताह से जिले में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है।

14 दिनों में बदला मौसम का मिजाजः पिछले 14 दिनों से मौसम में बड़ा बदलाव आया है। इससे पहले कभी बारिश तो कभी गर्मी का मिला-जुला मौसम देखने को मिल रहा था। अब न्यूनतम तापमान में गिरावट के बाद लोगों को ठंड का अहसास होने लगा है। बता दें कि इस साल मानसून ने 21 जून को दस्तक दी थी, जिसके बाद रुक-रुक कर बारिश होती रही थी।

वैज्ञानिक बोले- बादल साफ होने से बढ़ेगी ठंडः शासकीय कृषि महाविद्यालय में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं, जिससे आगामी दिनों में ठंड का प्रभाव और बढ़ेगा। उन्होंने पुष्टि की कि गुरुवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बीते 11 दिनों में ऐसा रहा न्यूनतम तापमान

- 10 नवंबरः 8.5 डिग्री
- 11 नवंबरः 8.3 डिग्री
- 12 नवंबरः 8.2 डिग्री
- 13 नवंबरः 8.3 डिग्री
- 14 नवंबरः 9 डिग्री
- 15 नवंबरः 7.5 डिग्री
- 16 नवंबरः 5.8 डिग्री
- 17 नवंबरः 5 डिग्री
- 18 नवंबरः 6.5 डिग्री
- 19 नवंबरः 7.5 डिग्री
- 20 नवंबरः 6.5 डिग्री

मंडला नेशनल हाईवे-30 पर दो ट्रकों की भिड़ंत, एक ड्राइवर घायल

हादसे के बाद लगा लंबा जाम; आवाजाही बाधित

मंडला, एजेंसी। मंडला के नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार सुबह अंजनिया चौकी क्षेत्र के अहमदपुर चौराहे के पास दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, रायपुर की ओर जा रहा एक ट्रक ढलान से उतरते समय बेकाबू हो गया। चालक गति नियंत्रित नहीं कर पाया और उसने रायपुर से मंडला की ओर आ रहे दूसरे ट्रक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगीः हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही अंजनिया पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और यातायात बहाल करने का प्रयास शुरू किया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। घायल चालक के बयान दर्ज होने के बाद दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

रायसेन में ठंड से दो लोगों की मौत

दस दिन से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे, विजिबिलिटी 100 मीटर से कम

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में पिछले एक सप्ताह से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। बुधवार रात को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार सुबह इस सीजन का पहला घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी लगभग 100 मीटर रह गई। वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। बढ़ती ठंड के बीच हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज से दो लोगों की मौत की खबर सामने आई, जिनमें एक 21 वर्षीय युवक भी शामिल है। परिजनों का दावा है कि ठंड लगने के कारण मौत हुई है।

दो दिन में दो लोगों की मौतेंः रायसेन में बढ़ती ठंड के बीच दो दिन में दो लोगों की मौत हुई है। मंगलवार सुबह यशवंत नगर निवासी कौशलेंद्र कुशवाह (51) को ब्रेन हेमरेज हुआ। उन्हें तुरंत भोपाल ले जाया गया, लेकिन बुधवार शाम उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार दोपहर को गवोई पुरा निवासी कश्यप चौबे (21) को अचानक पैर में तेज दर्द हुआ, परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से उनकी मौत की पुष्टि की। दोनों ही मृतक के परिजनों का दावा है कि उन्हें ठंड लगने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। रायसेन जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. यशपाल बालियान ने बताया कि कश्यप चौबे के चेस्ट पेन की शिकायत थी द्य संभवत हार्ट अटैक से ही युवक की मौत हुई है, ठंड में हार्ट अटैक की संभावना बढ़ जाती है। साथी कौशलेंद्र पुष्पा को भी परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जिन्हें ब्रेन हेमरेज की शिकायत पर भोपाल रेफर किया गया था डॉक्टरों का मानना है कि ठंड की अभी शुरुआत है और दिसंबर में तापमान और नीचे जा सकता है। इसलिए हर किसी को खासतौर पर दिल और दिमाग से जुड़ी तकलीफ होने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी गई है।

आगामी दिनों में और गिरेगा तापमानः मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर रायसेन समेत मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में दिख रहा है। गुरुवार रात भर ओस गिरी, जिससे घरों के बाहर खड़े वाहन गीले हो गए। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले दिनों दिन और रात के तापमान में और गिरावट हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती ठंड दिल और दिमाग पर प्रतिकूल असर डाल सकती है। कड़ाके की ठंड में रक्त संचार धीमा हो जाता है और शरीर में खून जमने का खतरा रहता है।

आईसीसी रैंकिंग

वनडे में रोहित की बादशाहत खत्म, टेस्ट में नंबर-1 पायदान पर बरकरार बुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि, टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। डेरिल मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर को वनडे सीरीज के पहले मैच में 119 रन बनाए थे, लेकिन कमर की चोट की वजह से सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए। मिचेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इसी के साथ रोहित शर्मा का 22 दिनों का राज समाप्त हो गया है। मिचेल दो पायदान की छलांग लगाकर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और भारत के रोहित शर्मा से आगे निकल गए।

इस बीच, पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के विरुद्ध 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। मोहम्मद रिजवान और फखर जमान सीरीज में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजों की लिस्ट में पाकिस्तानी लेग स्पिनर अबरार अहमद 11 पायदान की छलांग लगाकर 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अबरार ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में 41 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे।

पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने 5 स्थान की छलांग लगाई है। वह 23वें स्थान पर हैं। उनके अलावा, वेस्टइंडीज के जायडेन सील्स तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रोस्टन चेज को 12 स्थान का फायदा मिला है।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता

डेफलिंपिस में दिलाया तीसरा पदक

टोक्यो/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार राइफल शूटर महिन संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलिंपिक्स में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा पदक है। महित ने क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा और फाइनल में 246.1 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा ने 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि हंगरी की मीरा ज़सज़ाना बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की नताशा जोशी फाइनल में शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं। फाइनल में महित पहले 14 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज में उन्होंने यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर जगह बनाई और 20 शॉट्स तक इसी पोज़िशन पर बनी रहीं। इसके बाद 9.8 और 10.2 के स्कोर के साथ उन्होंने बढ़त बनाई, जबकि हंगरी की शूटर के 9.4 और 9.8 के स्कोर ने महित को सिल्वर पोज़िशन में पहुंचा दिया। अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 के अच्छे स्कोर लगाए, लेकिन चेक शूटर स्वोबोदावा के लगातार 10 के स्कोर को पार नहीं कर सकीं।

इससे पहले क्वालिफिकेशन में महित ने 619.7 अंकों के साथ नया वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड बनाया था। भारत की नताशा जोशी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 611.6 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। टोक्यो डेफलिंपिक्स में भारत की शूटिंग टीम का कुल पदक संख्या अब 12 पर पहुंच गई है, जिसमें से तीन पदक अकेले महित संधू ने जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

जयपुर पोलो टीम ने कनोटा पोलो को 8-7 से हराया, कश्मीर चैलेंज कप की विजयी शुरुआत

जयपुर, एजेंसी। जयपुर पोलो टीम ने कश्मीर चैलेंज कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए कनोटा पोलो को रोमांचक मुकाबले में 8-7 से मात दी। मुकाबले की शुरुआत से अंत तक दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जयपुर की ओर से लांस वॉटसन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे, जबकि एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने भी चार गोल कर टीम को लगातार बढ़त दिलाई। कनोटा पोलो की ओर से हुर्र अली ने चार गोल करते हुए टीम की उम्मीदों को बनाए रखा। वहीं, डिनो धनखड़ ने दो और कंवर प्रताप सिंह कनोटा ने एक गोल दागा, जिससे मैच आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। पहले चक्कर में जयपुर ने 3-1 की बढ़त हासिल की और दूसरे चक्कर के बाद भी 6-5 की मामूली बढ़त बनाए रखी। अंतिम चक्कर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया, लेकिन जयपुर ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 8-7 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ जयपुर पोलो टीम ने अपने दमदार खेल, अनुशासन और दृढ़ता को एक बार फिर साबित किया है और वे कश्मीर चैलेंज कप में आगे बढ़ते हुए मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे। आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था। इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है।

लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं।मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं।

- ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है।
- ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं।
- ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं।
- ग्रुप डी में तंजानिया,वेस्टइंडीज , अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है।

डेविस कप 2025: इटली ने ऑस्ट्रिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब बेल्जियम से भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी।बोलोनिया में खेले गए मुकाबले में इटली ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ दोनों सिंगल्स मैच जीतकर डेविस कप 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब इटली की टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में इटली ने अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया।

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने और एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण आधे घंटे के व्यवधान के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतते हुए तीन सेट प्वाइंट बचाए और टाई-ब्रेक जीतकर इटली को बढ़त दिलाई।

टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता हूँ। मत्तेओ मुश्किल हालात में समाधान ढूंढने वाले खिलाड़ी हैं और ऐसे मुकाबलों के लिए ही बने हैं।

दूसरे सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली ने ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा मुकाबले में हराया। 22वीं रैंक वाले कोबोली ने एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की। 23 वर्षीय कोबोली ने इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने पहले खिताब जीते थे।

मैच के बाद कोबोली ने कहा, यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है। इटली की जर्सी पहनकर खेलना मेरा सपना था।

इटली की दो सिंगल्स जीत के बाद सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी को एरलर-मीडलर के खिलाफ अपना डबल्स मैच नहीं खेलना पड़ा।

सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का मुकाबला जर्मनी से और स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ: ग्वाडलाहारा और मोंटेरे होंगे मेजबान

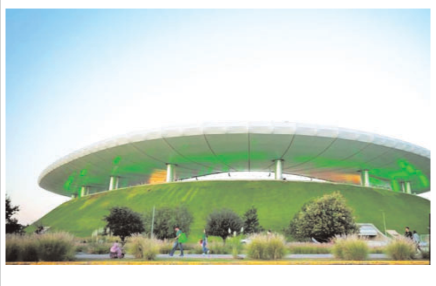

मेक्सिको सिटी ,एजेंसी।फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि फीफा विश्व कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले मेक्सिको के दो प्रमुख शहरों – ग्वाडलाहारा और मोंटेरे – में आयोजित किए जाएंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआत 23 मार्च से होगी, जिसमें पाँच अलग-अलग परिसंघों की छह टीमें दो विश्व कप स्थानों के लिए भिड़ेंगी।

इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के लिए इराक, डीआर कांगो, जमैका, सूरीनाम, बोलीविया और न्यू कैलेडोनिया ने क्वालिफाई किया है।

ड्रा गुरुवार को ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, ये प्रतिष्ठित स्टेडियम जुनून, रोमांच और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए बिल्कुल उपयुक्त मंच हैं।

ग्वाडलाहारा और मोंटेरे के स्टेडियम विश्व कप 2026 के दौरान भी मैचों की मेजबानी करेंगे। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में चार ग्रुप-स्टेज मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि मोंटेरे स्टेडियम में तीन ग्रुप मैच और एक राउंड-ऑफ-32 मुकाबला होगा।

इसके अलावा, मेक्सिको का तीसरा विश्व कप स्थल होगा हाल ही में पुनर्निर्मित एस्टाडियो एज़्टेका, जो टूर्नामेंट के प्रमुख मैचों की मेजबानी करेगा।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली। होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले एशेज टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग 11

स्मिथ करेंगे कप्तानी; वेदराल्ड और डॉगेट करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश की घोषणा कर दी है। नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के चोटिल होने के चलते अनुपस्थित रहने पर स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे।ओपनर जेक वेदराल्ड और तेज़ गेंदबाज़ ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार टेस्ट कैप मिली है। वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि डॉगेट मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ तेज़ आक्रमण में शामिल होंगे।

इससे पहले इंग्लैंड अपनी 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुका है, जिसमें शोएब बशीर को एकमात्र स्पिनर के रूप में शामिल किया गया है। तेज़ गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर, ब्राइडन कार्स, गस एटकिंसन और मार्क वुड भी इंग्लैंड के दल का हिस्सा हैं।

एशेज 2005: लगातार 8 सीरीज गंवाने के बाद इंग्लैंड ने चखा था जीत का स्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज टेस्ट क्रिकेट की सर्वाधिक रोमांचक सीरीज मानी जाती है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दो साल में एक बार आयोजित होने वाली सीरीज का इंतजार दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों को रहता है। 1882-83 से खेली जा रही इस सीरीज का अगला संस्करण (2025-26) पर्थ में 21 नवंबर से शुरू हो रहा है। सीरीज की शुरुआत से पहले हम एशेज 2005 पर नजर डालते हैं। इंग्लैंड ने लगातार 8 एशेज गंवाने के बाद 2005 में अपनी जमीन पर जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया के विजय रथ को रोका था। एशेज में कभी इंग्लैंड तो कभी ऑस्ट्रेलिया एक-दूसरे पर भारी पड़ती रही हैं।

अक्सर दोनों देश अपनी जमीन पर दूसरे पर भारी पड़ते हैं। एशेज 1986-87 ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इस सीरीज में इंग्लैंड ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इंग्लैंड को मिली ये जीत साहसिक और यादगार थी। लेकिन इस सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के लिए एशेज में जीत असंभव कर दी। सीरीज ऑस्ट्रेलिया में हो या फिर इंग्लैंड में, विजेता ऑस्ट्रेलिया ही रहता था। 1989, 1990-91, 1993, 1994-95, 1997, 1998-99, 2001, 2002-03 तक लगातार 8 बार ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में इंग्लैंड को शिकस्त दी।

इंग्लैंड एक ऐसे कप्तान और टीम की तलाश में था, जो उसे एशेज में जीत दिलाकर उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा वापस करा सके। यह अवसर एशेज 2005 में आया। 2005 में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड पहुंची। माइकल वॉन की कप्तानी वाली इंग्लैंड अपनी धरती पर एशेज का खिताब वापस पाने को व्यग्र थी। लेकिन लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 239 रन से जीत हासिल की।

इस हार के बाद एक बार फिर इंग्लैंड पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा। दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने दमदार वापसी की और बर्मिंघम में खेले गए रोमांचक मैच में ऑस्ट्रेलिया को 2 रन से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। मैनचेस्टर में खेला गया तीसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। नॉटिंघम में खेले गए चौथे टेस्ट को 3 विकेट से जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। द ओवल में खेला गया पांचवां टेस्ट ड्रा रहा और इसके साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

इंग्लैंड के लिए सीरीज में एंड्रयू फ्लिंटॉफ गेंद और बल्ले से हीरो बनकर उभरे। फ्लिंटॉफ ने 402 रन बनाने के साथ ही 24 विकेट लिए। इंग्लैंड के लिए केविन पीटरसन ने 473 रन और सलामी बल्लेबाज मार्कस ट्रेस्कोथिक ने 431 रन बनाए। एंड्रयू स्ट्रॉस ने 393 और कप्तान माइल वॉन ने 326 रन बनाकर ऐतिहासिक जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

राजीव भवन में 'नेशनल टैलेंट हंट- कांग्रेस प्रवक्ता चयन अभियान' कार्यक्रम का हुआ पोस्टर लांच: जावेद खान

कांग्रेस की सशत और मजबूत आवाज हेतु टैलेंट हंट अभियान - जावेद खान

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर के राजीव भवन में नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम के आयोजन के उद्देश्य,आवेदन की पूरी प्रक्रिया,टाइमलाइन,चयन के मापदंड की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए शहर जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य की उपस्थिति में पोस्टर का विमोचन किया गया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता टैलेंट हंट कार्यक्रम के बस्तर जोन कोर्डिनेटर जावेद खान एवं टैलेंट हंट कार्यक्रम के बस्तर जोन टैक्निकल सपोर्टर अनुराग महतो ने बताया कांग्रेस पार्टी इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवाओं को जो कांग्रेस की रीति नीति और विचारधारा पर पूर्ण विश्वास रखते हैं ,जिनकी देश के लोकतंत्र और संविधान के प्रति पूर्ण आस्था है..उन्हें कांग्रेस की सशक्त आवाज बनने का एक शानदार मंच और सुनहरा अवसर दे रही है.उन्होंने कहा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के इस टैलेंट हंट अभियान को लेकर छत्तीसगढ़ के युवाओं में जबरदस्त उत्साह और उमंग है.. ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के युवा बढ़ चढ़कर इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं.

जावेद खान ने बताया अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार छ ग प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जिला,प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ता चयन के लिए टैलेंट हंट अभियान पूरे छत्तीसगढ़ में चलाया जा रहा है इस सफल आयोजन के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज जी ने प्रदेश स्तरीय एक समिति प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के कॉर्डिनेशन में बनाई है,टैलेंट हंट अभियान में भाग लेने वालों के लिए एक त्तक्र कोड सहित हिंदी और अंग्रेजी भाषा में गूगल फॉर्म का एक लिंक जारी किया गया है जिसे स्कैन कर या लिंक क्लिक कर वे कांग्रेस प्रवक्ता चयन के लिए अपने आवेदन 20 नवम्बर तक भर सकते हैं, 21 से 25 नवंबर तक प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग की जाएगी एवं चयनित प्रतिभागियों का 25 से 30 नवंबर तक रीजनल फिजिकल इंटरव्यू लिया जायेगा,उसके पश्चात 1 से 5 दिसंबर तक फाइनल फिजिकल इंटरव्यू एवं पैनल डिस्कशन किया जायेगा।नेशनल टैलेंट हंट के इस कार्यक्रम में कांग्रेस प्रवक्ता चयन का मापदंड कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, स्पष्ट सोच, राजनैतिक जागरूकता ,त्वरित प्रतिक्रिया, कांग्रेस और देश के इतिहास की विस्तृत जानकारी,अच्छी कम्युनिकेशन स्किल,समसामयिक विषयों में रूचि और ज्ञान,मजबूत भाषाई पकड़ तथा मीडिया फ्रेंडली होगा।

स्पेशल एजुकेटर हेतु 25 नवंबर को वॉक इन इंटरव्यू

सुकमा, एजेंसी। पीएम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोन्टा विकासखण्ड-कोन्टा में 01 स्पेशल एजुकेटर के पद पर वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती किय जाने हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र 25 नवंबर 2025 को 11:00 से 01:00 बजे तक आमंत्रित किया गया हैं। विस्तृत जानकारी की संपूर्ण जानकारी सुकमा जिला के वेबसाईट 222.sukma.gov.in में एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सुकमा के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते है।

अवैध धान पर राजस्व अधिकारियों द्वारा कार्यवाही, 150 बोरा धान ज़ब्त

जगदलपुर, एजेंसी। धान खरीदी सीज़न के दौरान ज़िले में अवैध धान के परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग लगातार सख्त कार्रवाई किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल कोचियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में लगातार संदिग्ध स्थानों और कोचियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। नानगुर तहसील के अंतर्गत ग्राम मांझीगुड़ा में अवैध रूप से धान रखे जाने की शिकायत प्राप्त होने पर जाँच की गई एवं 150 बोरा धान ज़ब्त किया गया । अवैध धान के परिवहन को रोकने के उद्देश्य से जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर 7489807170 जारी किया गया है, जिस पर कोई भी नागरिक अवैध धान, कोचियों की गतिविधियों या अन्य राज्य से आने वाले धान की सूचना दे सकता है। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को भी जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है।

विश्व टॉयलेट डे पर सुलभ शौचालय में जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता के संकल्प के साथ संपन्न

जगदलपुर, एजेंसी। विश्व टॉयलेट डे के अवसर पर आज शहीद पार्क के पास स्थित सुलभ शौचालय परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महापौर संजय पाण्डे के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित शौचालयों के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाते हुए स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर नगर निगम टीम और नागरिकों ने स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महापौर संजय पाण्डे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद होते हैं। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरे शौचालय न केवल बीमारियों से बचाते हैं, बल्कि नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सभी को स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर निगम की टीम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। शौचालयों की साफ-सफाई, रखरखाव और दैनिक स्वच्छता के महत्व पर नागरिकों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी संदेशों का प्रसार कर लोगों को जागरूक किया गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए नगर निगम के प्रयासों की प्रशंसा की और स्वच्छ जगदलपुर बनाने में सहयोग का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर निगम के एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, अनिल सामंत, पंकज आचार्य, योगेश पाण्डे सहित श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के सदस्य रामू भारतीया, पल्लव दातारकर, अनेश कश्यप, लता बेसरा, नमिता कश्यप, रोहित बेहरा, विशाल गुप्ता, तामेश्वरी साहू, साक्षी सिंह, नेहा सिंह, रितु यादव, रीना नेताम, दिव्या, रेशमा बघेल, अंजली सेन और पायल उपस्थित रहे।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व महारानी लक्ष्मीबाई की सादगीपूर्ण जयंती मनाई ...

जगदलपुर, एजेंसी। आज संभाग मुख्यालय राजीव भवन जगदलपुर में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी व महारानी लक्ष्मीबाई जी की सादगीपूर्ण जयंती मनाई गई इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा इंदिरा गांधी जी व महारानी लक्ष्मीबाई जी की तेलचित्र पर पुष्पमाला, दीप प्रज्वलित कर की श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इसके पश्चात विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसमें उनके योगदान को याद किया गया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने स्व.इंदिरा जी दृढ़शक्ति की पर्याय थीं इंदिरा गांधी जी साहसपूर्ण कार्य और देशहित में सर्वोच्च त्याग एवं बलिदान के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगी। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और प्रगति को दिशा देने में इंदिरा गांधी का योगदान अविस्मरणीय है।देश और प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के पास वर्तमान में अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें इंदिरा गांधी के संघर्ष से प्रेरणा और सीख लेनी चाहिए। उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय इंदिरा गांधी ने जिस दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया, वैसा विश्व इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।स्व.इंदिराजी ने पाकिस्तानियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

मौर्य ने आगे कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई जी भारतीय वीरता, साहस और स्वतंत्रता की प्रतीक थीं, जिन्होंने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष किया। वहीं, इंदिरा गांधी का योगदान आधुनिक भारत के निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और दृढ़ नेतृत्व में अविस्मरणीय रहेगा। दोनों ही महान नारियों ने देश की अस्मिता, स्वाभिमान और शक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी रामशंकर राव,हनुमान द्विवेदी,अंगद त्रिपाठी,प्रभारी महामंत्री जाहिद हुसैन,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष लता निषाद,उपनेता कोमल सेना,विक्रम सिंह डांगी, कविता साहू,राष्ट्रीय प्रवक्ता युवा कांग्रेस जावेद खान,प्रदेश उपाध्यक्ष जीशान कुरैशी,रवि शंकर तिवारी,ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया,अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ राजेंद्र पटवा,सहदेव नाग,प्रदेश को ऑर्डिनेटर एवं बस्तर संभाग प्रभारी आईटी सेल अनुराग महतो, शहर जिला मीडिया प्रभारी शादाब अहमद,लव मिश्रा,अकीब रजा,मोईन अख्तर,अपर्णा बाजपेई, पार्षद शुभम यदु,एस नीला, सलीम जाफर अली,पल्लव यादव, तरनजीत सिंह,कमलेश पाठक, संजय नाग,संतोष कश्यप,सेनारू नाग, विजय भारती,रौशन पानी, आदर्श दलाई, मोहनीश नाग, आदर्श नायक, उस्मान रजा, नीतीश शर्मा,समीर कुरैशी, साहिल,प्रभुदास नाग आदि मौजूद रहे।

पूवर्ती में सुविधा शिविर के दौरान हितग्राही को मिला रहा तत्काल लाभ

महतारी वंदन योजना की राशि बैंक कोरेस्पोंडेंट के माध्यम से प्रदाय

सुकमा, एजेंसी। जिले के दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्र पूवर्ती में आयोजित विशेष सुविधा शिविर के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को त्वरित रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में शिविर में पहुँची ग्राम की हितग्राही श्रीमती बोडके शम्मी को महतारी वंदन योजना की स्वीकृत राशि बैंक कोरेस्पोंडेंट के माध्यम से स्थल पर ही प्रदाय की गई। इसी क्रम में ग्रामीणजनों और छात्रों के आधार कार्ड बनाएं जा रहे है।

शिविर में मौजूद बैंक कोरेस्पोंडेंट द्वारा तत्काल सत्यापन कर राशि सीधे हितग्राही को प्रदाय की गई, जिससे उन्हें किसी प्रकार की बैंक शाखा जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। दूरस्थ वनांचल में रहने वाली महिला हितग्राही के लिए यह सुविधा बेहद राहतकारी सिद्ध हों रही है।

एसडीएम कोंटा श्री सुभाष शुक्ला ने बताया कि पूवर्ती जैसे अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में शिविर आयोजित करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुँचे तथा ग्रामीणों को दस्तावेजीकरण, बैंकिंग सेवाएँ, स्वास्थ्य, पोषण, पेंशन एवं अन्य योजनाओं से जुड़ी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें।

सुकमा में 'मायद नुनी' कार्यक्रम

किशोरी बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक पहल

सुकमा, एजेंसी। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में किशोरी बालिकाओं के समग्र विकास एवं सशक्तिकरण के लिए मंगलवार को 'मायद नुनी' (हमारी बेटियां) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल बालिकाओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

व्यापक विषयों पर केंद्रित कार्यक्रम: जिला महिला एवं बाल विकास विभाग सह शिक्षार्थ की टीम द्वारा पोटाकेबिन मुरतोंडा में आयोजित इस कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं को महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, स्व सुरक्षा एवं गुड टच-बैड टच की समझ विकसित करना, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की सही जानकारी, साइबर सुरक्षा के साथ डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी, बालिकाओं के कानूनी अधिकार, निर्णय क्षमता का विकास करना।

विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन: संरक्षण अधिकारी मनीषा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग सह तरंगिनी शिक्षार्थ ने बालिकाओं को विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें जीवन कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक प्रयास: यह कार्यक्रम न केवल बालिकाओं को जागरूक बनाने का माध्यम है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश भी देता है। 'मायद नुनी' कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन बालिका सशक्तिकरण को नई दिशा प्रदान कर रहा है। यह पहल बालिकाओं के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी

बीएलओ द्वारा डोर-टू-डोर गणना प्रपत्र किए जा रहे वितरित, 4 दिसंबर तक चलेगा कार्य

सुकमा, एजेंसी। जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) का वितरण तथा जानकारी संकलन कर रहे हैं। यह प्रक्रिया 4 दिसंबर 2025 तक चलने वाली है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री देवेश कुमार ध्रुव ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित और पूर्ण बनाना है। जिन मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज हैं, उन्हें 2003 की मतदाता सूची में मतदाता अथवा उनके माता या पिता, या दादा या दादी के जानकारी यदि उपलब्ध हो तो, गणना प्रपत्र में भरकर उपलब्ध कराने की अपील की गई है। वहीं, ऐसे नागरिक जो पंजीकृत होने से छूटे हुए हैं, एवं भावी मतदाता, साथ ही, पते में बदलाव या किसी अन्य संशोधन करना चाहते हैं वे, फॉर्म 6 और फॉर्म 8 के साथ संलग्नक - 1 भरकर, बीएलओ के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए निम्न तिथियां निर्धारित की गई हैं गणना प्रपत्र भरने की अवधि 04 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक चलेगी, ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 09 दिसम्बर 2025 को होगा। दावा-आपत्ति फॉर्म 6, 7 या 8 के माध्यम से दर्ज कराने की अवधि 09 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक रहेगी। नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) - 09 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। सुनवाई एवं सत्यापन के दौरान ऐसे मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा जिनका गणना प्रपत्र में 2003 की मतदाता सूची में मतदाता अथवा उनके माता या पिता, या दादा या दादी के जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, या जिनके जानकारी अपूर्ण या गलत हैं। इन सभी मतदाताओं को सुनवाई के दौरान आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज़ प्रस्तुत करना होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक सात दिवसीय शिविर लगाकर कर रहे श्रमदान

जगदलपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय तितिरगांव कि इकाई के स्वयं सेवक सात दिवसीय शिविर लगाकर पूरे ग्राम में दे रहे हैं श्रमदान लगातार प्रदेश में अलग-अलग जगह पर अलग-अलग इकाई गांव-गांव में कैंप लगाकर श्रमदान कर रहे हैं । इसके साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक लाने की कोशिश कर रहे हैं । कुछ स्वयं सेवक प्राथमिक शाला में जाकर बच्चों को कुछ सीखा रहे हैं । महादलनायक तोमेश मौर्य ने बताया कि यह कैंप 15 नवंबर से लेकर 21 नवंबर तक लगेगा जहां हम अलग-अलग गतिविधियां कराते आ रहे हैं । महादलनायिका परमेश्वरी कश्यप ने कहा कि हम जागरूक नारा गली गली में लिख रहे हैं जिससे ग्रामीण जागरूक बन सके ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तितिरगांव के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय कैंप लगाया गया है जहां आज छत्तीसगढ़ मिडिया एसोसिएशन महासंघ बस्तर जिला के उपाध्यक्ष भुवनेश्वर कश्यप द्वारा दौरा किया गया। भुवनेश्वर कश्यप ने कहा कि लगातार पुरे प्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक? अपने अपने क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे हैं जैसे स्वच्छता के प्रति हो या जागरूकता रैली के माध्यम से । कश्यप ने कहा कि यह भारत सरकार खेल मंत्रालय द्वारा संचालित है जो विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को एक खुला मंच प्रदान करता है जहां छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं एवं आगे बढ़ सकते हैं । इस सात दिवसीय शिविर में प्रत्येक दिन सुबह 5:00 बजे उठकर प्रभात फेरी किया जाता है जिसमें लोगों को संदेश दिया जाता है कि देश के प्रति हमें अपना कर्तव्य निभाना चाहिए । प्रभात फेरी के पश्चात अपने कैंप में आकर व्यायाम करते हैं उसके पश्चात नाश्ता करते हैं नाश्ता करने के तुरंत बाद वे अपने क्षेत्र की साफ सफाई जनहित में जारी नारा लेखन जैसे अनेक काम करते हैं करीबन दोपहर के 12:00 बजे वापस कैंप में आकर वे सब भोजन करते हैं । भोजन करने के बाद बौद्धिक परिचर्चा होती है जिसमें किसी भी एक विभाग के लोग आते हैं और वह अपने विभाग के बारे में जानकारी देते हैं जिससे छात्र-छात्राओं को अलग-अलग विभाग की जानकारी प्राप्त होती है । जैसे ही संध्या होती है संध्या की इस पावन बेला पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होता है जो स्वयं सेवकों के साथ ग्रामीण जन भी भाग लेते हैं । इस प्रकार से उनका दिन निकलता है । वर्तमान में शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगदलपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का स्वयं सेवक हूं। कश्यप ने कहा कि मुझे खुशी होती है जब मैं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को देखता हूं क्योंकि यह स्वयं सेवक निस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं । मुझे आज इस कैंप में कुछ सीखने तथा कुछ सीखने को मिला मैं इस विद्यालय के स्वयं सेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके कारण से मैं आज यहां उपस्थित हूं ।

जनजाति समुदाय का विकास भाजपा के लिए सर्वोच्च है: महेश कश्यप

भाजपा आदिवासियों की हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध - महेश कश्यप

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि जनजाति समाज को समाज में उचित सम्मान और अधिकार केवल भाजपा की सरकार ने दिया है। भारतीय जनता पार्टी/एनडीए की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजाति समुदाय के लिए आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक सहित सभी क्षेत्रों में समुचित विकास कार्य कर रही है। सांसद श्री कश्यप ने जनजाति समाज को उपेक्षित कर लगातार अपमानित करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

भाजपा जिला कार्यालय में आज बुधवार को आहूत पत्रवार्ता में बस्तर संसदीय क्षेत्र के भाजपा सांसद महेश कश्यप ने कहा कि 15 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने देश को जनजाति गौरव दिवस की सौगात दी है। भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस वर्ष इस जयंती के अवसर पर लगातार महीने भर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। हमारे जनजाति समाज के उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व महान विभूतियों को याद किया जा रहा है जिन्होंने समाज, संस्कृति, देश व मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। जनजाति समाज की उपेक्षा व अपमान के लिए कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सांसद श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों का अपमान करती आयी है और आज भी कर रही है। आज पूरे देश से कांग्रेस ने आदिवासियों को नेतृत्व के अवसरों से वंचित कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व की मंशा है कि वह आदिवासियों को आगे बढ़ना नहीं देना चाहती इसीलिए कांग्रेस के पास आज आदिवासी नेतृत्व नहीं है जबकि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने जनजाति समुदाय को विशेष महत्व दिया। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुशोभित कर रही हैं। यह हम सबके लिए हर्ष का विषय है कि आगामी 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में उनका आगमन हो रहा है। इसी जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में ही कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी व मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में आज जनजाति समुदाय के लिए अनेक विकास व कल्याणकारी कार्य चल रहे हैं। आदि आदर्श ग्राम योजना, पीएम जनमन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजनाओं का जिक्र कर कश्यप ने कहा कि अनेक माध्यमों से पार्टी ने जनजाति समुदाय को लाभ देने का कार्य किया है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी भगवान बिरसा मुंडा के परिवार के साथ गौरव दिवस मनाकर उनका सम्मान कर रहे हैं, वहीं प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री साय वीर बलिदानी गुण्डाधुर के परिवार के साथ जनजाति गौरव दिवस का मंच साझा कर रहे हैं। जो यह बताता है कि भाजपा आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। देश के दस आदिवासी बहुल राज्यों में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों और उनकी विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने के लिये संग्रहालयों का निर्माण किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा